RNI No.
RJBIL/26/A5611

जयपुर, राजस्थान
मौसम

अधिकतम	न्यूनतम
33.0°C	26.0°C

सूर्योदय	सूर्यास्त
5:56 AM	7:09 PM

दैनिक
ज़ूम न्यूज़ राजस्थान
खबरों की दुनिया में आपका भरोसेमंद साथी

संपर्क करें
9461119998
info@zoomnews.in
www.zoomnews.in

वर्ष: 01 | अंक: 26 | पृष्ठ: 8 | मूल्य: ₹2.00 | जयपुर, सोमवार 10 अगस्त, 2026 | जयपुर, राजस्थान | राज्य: 01 | अंग्रेजी/हिन्दी (द्विभाषिक दैनिक)

झोटवाड़ा में बारिश ने खोली ड्रेनेज व्यवस्था की पोल, पानी में बैठकर प्रदर्शन

जयपुर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के निवारू रोड पर बारिश के बाद जलभराव की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। कम बारिश के बावजूद सड़क पर करीब तीन-तीन फीट गहरे गड्ढों में पानी भर गया, जिससे आमजन की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई। समस्या से नाराज स्थानीय निवासियों ने पानी भरी सड़क पर ही धरना देकर विरोध जताया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि झोटवाड़ा क्षेत्र में पिछले करीब 25 वर्षों से ड्रेनेज और सीवरेज व्यवस्था की समस्या बनी हुई है, लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि करीब एक महीने पहले बनी नई सड़क की स्थिति भी बारिश के बाद खराब हो गई है। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण के बाद भी जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से परेशानी जस की तस बनी हुई है। निवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने 181 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। जलभराव से नाराज लोगों ने झोटवाड़ा विधायक राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के खिलाफ भी नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सांसद, विधायक और मंत्री क्षेत्र की समस्याओं से दूर हैं और पिछले 25 वर्षों से विकास कार्य ठप पड़े हैं। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने व्यंग्य करते हुए कहा कि बारिश में सड़कों पर पानी भरने की समस्या को देखते हुए मुख्यमंत्री को अब बीएमडब्ल्यू कारों के बजाय नावें वितरित करनी चाहिए, ताकि बरसात के दौरान लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। स्थानीय निवासियों ने मांग की कि जनप्रतिनिधि जेडीए और संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय कर ड्रेनेज एवं सीवरेज की समस्या का स्थायी समाधान करवाएं। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। पानी में बैठकर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि अब उनकी सहनशीलता की सीमा पार हो चुकी है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बारिश के बाद निवारू रोड की स्थिति ऐसी हो गई है कि राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल हो रहा है। कई स्थानों पर पानी जमा होने के कारण सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि बारिश के दौरान नालियों और सीवरेज व्यवस्था की खामियां खुलकर सामने आ जाती हैं।

ईडी प्रमुख राहुल नवीन को अगस्त 2027 तक एक वर्ष का सेवा विस्तार मिला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन को 13 अगस्त से एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया है। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने आईआरएस अधिकारी राहुल नवीन को प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के रूप में 13 अगस्त के बाद एक वर्ष के लिए यानी 13 अगस्त, 2027 तक, उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि यानी 31 जुलाई, 2027 के बाद तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, सेवा विस्तार को मंजूरी दे दी है।

1956 में स्थापित ईडी ने 1 मई, 2026 को अपने 70 वर्ष पूरे किए। प्रमुख वित्तीय जांच एजेंसी के रूप में ईडी को विदेशी मुद्रा प्रबंधन से संबंधित कानूनों को लागू करने और मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम का दायित्व सौंपा गया है।

इससे पहले 70वें प्रवर्तन दिवस समारोह में बोलते हुए वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने एजेंसी को वित्तीय अपराधों से राष्ट्र की रक्षा करने वाली ढाल बताया। कठोर प्रवर्तन की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे अपराध अर्थव्यवस्था और आम नागरिक के लिए गंभीर खतरा हैं।

राखी राठौड़ का जन्मदिन या जयपुर के चुनावी रण का आगाज? मेट्रो में सेलिब्रेशन ने बढ़ाई सियासी हलचल

जयपुर। भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष राखी राठौड़ का जन्मदिन इस बार राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गया। करीब डेढ़ दशक से जयपुर की राजनीति में सक्रिय राखी राठौड़ ने जन्मदिन मनाने के लिए किसी होटल या बंद सभागार के बजाय जयपुर मेट्रो को चुना। उन्होंने महिलाओं और आम यात्रियों के बीच पहुंचकर जन्मदिन मनाया। इस आयोजन को अब आगामी निकाय चुनावों की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। राखी राठौड़ के इस आयोजन में जयपुर के विकास का मुद्दा भी प्रमुखता से नजर आया। जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। प्रस्तावित करीब 41 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में 36 स्टेशन शामिल हैं। ऐसे में मेट्रो को शहर के भविष्य और विकास से जोड़कर जनता के बीच जाना एक राजनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक चुनावी तैयारियां अक्सर चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से काफी पहले शुरू हो जाती हैं। जनता के बीच लगातार मौजूदगी, स्थानीय मुद्दों को उठाना और छोटे-बड़े आयोजनों के जरिए राजनीतिक संवाद कायम करना इसी रणनीति का हिस्सा होता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या राखी राठौड़ ने जयपुर के आगामी निकाय चुनाव के लिए अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करना शुरू कर दिया है? भाजपा ने जनवरी 2026 में राखी राठौड़ को प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। खासकर महिला मतदाताओं के बीच उनकी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिशों पर भी नजर है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग : 500 साधु-संत करेंगे पीएम आवास की ओर कूच

नई दिल्ली। अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सोमवार को दिल्ली में साधु-संतों का एक बड़ा प्रदर्शन होने जा रहा है।

आयोजकों के अनुसार, देशभर से आए 500 से अधिक साधु-संत प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन सौंपेंगे।

समय और स्थानः यह मार्च सोमवार सुबह करीब 11 बजे मंडी हाउस के समीप नेपाल दूतावास के पास से शुरू होकर प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ेगा।

नेतृत्वः इस शांतिपूर्ण मार्च का नेतृत्व नामदेव दास त्यागी (कंप्यूटर बाबा) और प्रकाशानंद गिरी महाराज करेंगे।

किन्नर अखाड़े की सहभागिताः इस विरोध मार्च में 'सनातनी किन्नर अखाड़ा' के प्रतिनिधि और साधु-संत भी विशेष रूप से शामिल होंगे।

'अलग खेल चल रहा है...', वायरल मीम्स पर रवि किशन ने तोड़ी चुप्पी, पॉपुलैरिटी के लिए किसे दिया क्रेडिट? जानें

नई दिल्ली। इन दिनों सोशल मीडिया भोजपुरी सिनेमा के सुपस्टार और बीजेपी सांसद रवि किशन काफी ट्रेंड कर रहे हैं। वजह उनके से जुड़े वायरल मीम्स। दरअसल, वह जो भी कर रहे हैं वो मीम मटेरियल बन रहा है। हाल ही में एक्टर ने वायरल मीम्स को लेकर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कि वह खुद बिना कुछ बोले ही वायरल हो गए थे। ऐसे में अब एक्टर ने वायरल मीम्स पर बात की और कहा कि उन्हें खुद नहीं पता कि क्या हो रहा है, जो भी हो रहा है वो अचानक हो रहा है। चलिए बताते हैं एक्टर ने क्या कुछ कहा। दरअसल, वायरल मीम्स के बीच रवि किशन ने हाल ही में हिंदुस्तान टाइम्स से बात की और इस दौरान एक्टर ने वायरल हो रहे अपने वीडियो पर बात की। उन्होंने कहा कि वो इसे खुद फॉलो कर रहे हैं और लाइक भी कर रहे हैं। वायरल मीम्स पर एक्टर ने कहा, 'ये कुछ अलग ही खेल चल रहा है। ये पागलपन है। सावन महीना चल रहा है और जब महादेव अपनी कृपा बरसाते हैं तो ऐसा ही होता है। इसके पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था। पागलपन है। लोग पॉपुलर होने के लिए कुछ भी बोलते हैं और मेरा मौन व्रत भी पॉपुलर हो गया। रवि किशन ने आगे बताया कि उनके लिए सबसे ज्यादा सरप्राइजिंग क्या था। वो कहते हैं, 'मेरे लिए बेस्ट पार्ट ये रहा, जो हो सच में हो रहा है। बीजेपी, दिल्ली पुलिस, महाराष्ट्र सरकार ने भी मीम्स बनाए। मैं पर्सनली ये सब फॉलो और लाइक कर रहा हूं।' इतना ही नहीं, रवि किशन ने इस पॉपुलैरिटी के लिए जेन जी का शुक्रिया भी अदा किया। उन्होंने कहा, 'पहले मुझे किसी ने भी नहीं ढूंढा। अब लोग मुझे ज्यादा देखना चाहते हैं। जेन जी ने मझे स्वीकार कर लिया है। मैं सच में उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं और उनकी क्रिएटिविटी के सैल्यूट करता हूं।' रवि किशन का मानना है कि ये रिश्ता मीम्स और वायरल क्लिप्स से कहीं आगे का है। वो कहते हैं, 'प्यार की वजह से लोग मुझे लॉर्ड रवि, गॉड रवि, आज का ओशो और ना जाने क्या-क्या बुलाते हैं। उन्हें असली लोग पसंद हैं। वो मेरी

कमियों से जुड़ते हैं। इससे उन्हें लगता है कि मैं भी उनमें से एक हूं। गलतियां हर कोई करता है। मैं भी करता हूं और मैं इसे मानता हूं। मैं दिल से बोलता हूं और लोगों को ऐसी सच्चाई पसंद आ रही है।'

इतना ही नहीं, रवि किशन वायरल मीम्स को लेकर परिवार के रिएक्शन के बारे में भी बात करते हैं और कहते हैं, 'मेरी 85 साल की मां, परिवार के लोग और मैं खुद बस निशब्द हूं। उनकी दुआएं बढ़ गई हैं और महादेव में मेरा भरोसा मुझे शांति बनाए रखने में अंदरूनी ताकत देता है। मुझे कहीं ना कहीं लगता है कि इंस्टाग्राम एक बहुत ताकतवर जरिया बन गया है। लोग अपनी निजी जिंदगी में बहुत अकेले हैं और जब सोशल मीडिया पर कोई चीज इनसे जुड़ती है या उनका मनोरंजन करती है तो वो इससे जुड़ जाते हैं और उन्हें परिवार की तरह अपना लेते हैं।' बहरहाल, अगर रवि किशन के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो वो राजनीति में तो एक्टिव हैं ही साथ ही फिल्मों में भी एक के बाद एक नई मूवीज में काम कर रहे हैं।

छात्रों के मार्च से पहले प्रशासन हुआ अलर्ट, विधानसभा के पास लागू की धारा 163

रांची। बीते 16 दिन से आंदोलन कर रहे छात्र संगठनों ने आज (सोमवार, 10 अगस्त) विधानसभा तक मार्च करने की घोषणा की है। संगठनों ने छात्रों को सुबह 10 बजे से पहले रांची की पुरानी विधानसभा के गेट पर पहुंचने के लिए कहा है। जानकारी के मुताबिक पहले सभी छात्र पुरानी विधानसभा के पास जमा होंगे, फिर वहां से 11 बजे नई विधानसभा की ओर पैदल मार्च करेंगे। इस मार्च को लेकर राज्य सरकार की ओर से गठित कमेटी ने कहा है कि सुरक्षा के सभी इंतजाम कर दिए गए हैं। साथ ही ये भी सुनिश्चित किया गया है कि कोई भी उत्पीड़ित न हो। पुरानी से नई विधानसभा के बीच की दूरी 4 किलोमीटर है। प्रशासन छात्रों को नई विधानसभा से दो किलोमीटर पहले ही जगन्नाथ मंदिर से आगे नहीं बढ़ने देगा। वहां उन्हें रोकने के लिए बैरिकेंडिंग कर दी गई है। पूरे मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी, ताकि मार्च के दौरान कानून-व्यवस्था न बिगड़ पाए।

राजस्थान की विकास यात्रा से जुड़ें प्रवासी राजस्थानी : निवेश को धरातल पर उतारने में सरकार करेगी हर संभव मदद

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश की संस्कृति, परंपरा, उद्यमशीलता और सामाजिक मूल्यों के प्रतिनिधि हैं। साथ ही, मेहनत, ईमानदारी और समाज सेवा से नई पहचान भी बनाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी अपने अनुभव, वैश्विक नेटवर्क और विशेषज्ञता के जरिए राजस्थान की विकास यात्रा को नई गति देने में सहभागी बनें। मुख्यमंत्री रविवार को बेंगलुरु में राजस्थान फाउंडेशन के विभिन्न चैप्टर्स के अध्यक्षों के साथ चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान संभावनाओं की भूमि है। प्रवासी राजस्थानी नवाचार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, स्टार्टअप, कृषि, जल संरक्षण और सामाजिक विकास जैसे अनेक क्षेत्रों से जुड़कर प्रदेश को और आगे ले जा सकते हैं। इस संबंध में राज्य सरकार प्रदेश में उन्हें निवेश से जुड़े सभी पहलुओं के लिए हर संभव मदद उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सिंगल विंडो क्लीयरेंस के जरिए निवेश प्रस्तावों पर प्राथमिकता के साथ आवश्यक कार्यवाही की जाती है। साथ ही, प्रदेश में निवेशकों के लिए भूमि, सड़क व रेल नेटवर्क, लॉजिस्टिक ढांचा, ऊर्जा एवं कुशल मानव संसाधन भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक व्हीकल और बैटरी निर्माण, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, माइनिंग और मिनरल आधारित उद्योग, फूड प्रोसेसिंग और आईटी तथा स्टार्ट-अप सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहित कर रही है। वहीं, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए 35 से अधिक नीतियां लागू की गई हैं। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू में से अब तक लगभग 9 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। इनके लिए शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना प्रारंभ की है।

जेपी नड्डा जयपुर में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए, शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी

जयपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को जयपुर में तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। स्वतंत्रता दिवस से पहले आयोजित कार्यक्रमों के तहत उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और स्वतंत्रता सेनानियों से मुलाकात की। नड्डा ने अमर जवान ज्योति स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को नमन किया। बाद में, उन्होंने राज्य भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की और स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व वरिष्ठ भाजपा नेता प्रवीण चंद छाबड़ा के आवास पर जाकर उन्हें सम्मानित किया। जयपुर में, उन्होंने राज्य की रक्त संग्रह प्रणाली को मजबूत करने के उद्देश्य से 10 नई रक्त संग्रह और परिवहन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्य भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, राज्य प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ, नड्डा ने अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक तिरंगा यात्रा को संबोधित किया। 'भारत माता की जय' के नारे के साथ शुरुआत करते हुए नड्डा ने राजस्थान को बहादुर नायकों और राष्ट्र-निर्माताओं की भूमि बताया। उन्होंने कहा कि तिरंगा लाखों भारतीयों के खून, पसीने और जीवन के बलिदान से हासिल हुआ है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उन देशभक्तों को श्रद्धांजलि देने और उनके बलिदानों से प्रेरणा लेने का एक मौका है। भारत को 'लोकतंत्र की जननी' बताते हुए उन्होंने जोर दिया कि तिरंगा यात्रा भावनाओं की एक अभिव्यक्ति है जो 140 करोड़ भारतीयों को देशभक्ति और देश के प्रति पूर्ण समर्पण की दिशा दिखाती है। राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास को याद करते हुए नड्डा ने कहा कि भारत ने 22 जुलाई, 1947 को संवैधानिक रूप से 'तिरंगे' को अपनाया था। उन्होंने 1906 के स्वदेशी आंदोलन के झंडे से लेकर 1921 में महात्मा गांधी को सौंपे गए पिंगली वेंकय्या के डिजाइन और 1947 में अशोक चक्र वाले अंतिम स्वरूप तक इसके विकासक्रम का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि केसरिया रंग साहस और बलिदान का प्रतीक है, सफेद रंग सच्चाई और शांति का, और हरा रंग समृद्धि का। और अशोक चक्र निरंतर प्रगति का प्रतीक है। नड्डा ने 2022 में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के दौरान 'हर घर तिरंगा' अभियान के जरिए तिरंगे को सरकारी प्रतीक से जन-आंदोलन में बदलने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया।

उनकी सफलता कई युवाओं को प्रेरित करेगी, पदकवीरों से मिले पीएम मोदी, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ग्लासगो में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाले भारत के कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेताओं से नई दिल्ली स्थित अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर करत हुए पीएम मोदी ने लिखा, '7, लोक कल्याण मार्ग पर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के हमारे शानदार मेडल विजेताओं की मेजबानी करके बहुत खुशी हुई। गेम्स के दौरान उनके अनुभवों के बारे में सुना। उन सभी ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से देश का मान बढ़ाया है। उनकी सफलता कई युवाओं को प्रेरित करेगी।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' अकाउंट पर इस मुलाकात का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसकी शुरुआत विमेंस 51 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड जीतने वाली बॉक्सर साक्षी चौधरी ने की। इस वीडियो में साक्षी ने कहा, 'हैलो फ्रैंड्स, मैं साक्षी चौधरी... आज हम सभी कॉमनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट को आदरणीय प्रधानमंत्री सर ने बुलाया है। हमें इस पर काफी गर्व महसूस हो रहा है। हमें प्रधानमंत्री से मिलकर बहुत खुशी हुई। वह बहुत विनम्र हैं।' वहीं, जूडो टीम ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए चार मेडल जीते।

संपादकीय

विश्व आदिवासी दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

सरदारशहर। माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चूरू के निर्देशानुसार झुग्गी क्षेत्र, सरदारशहर में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर तालुका विधिक सेवा समिति, सरदारशहर द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता रितेश चौहान, पीएलवी नेहा चौहान, सर्वेश टाक एवं प्रेमलता सैन ने उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार, अनुसूचित जनजाति के अधिकार, सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराध से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पात्र नागरिक को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने का अधिकार है तथा किसी भी कानूनी समस्या की स्थिति में तालुका विधिक सेवा समिति एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने विधिक जानकारी प्राप्त कर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विशेषकर आदिवासी समुदाय के लोगों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। वहीं बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा से जुड़े अधिकारों के बारे में भी उपस्थित लोगों को विस्तार से बताया गया।

हर घर तिरंगा अभियान : अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक निकली हर तिरंगा रैली, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री हुए शामिल

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अल्बर्ट हॉल से 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत राज्य स्तरीय तिरंगा रैली का शुभारंभ किया। अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक रिमझिम वर्षा के मध्य निकली इस रैली में केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए। यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत एवं अभिनंदन किया। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने तिरंगा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान, शान और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशवासियों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराकर विविधता में एकता और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में बसना चाहिए और इसके सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। शहीदों को किया नमन— केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने पुष्पचक्र अर्पित कर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को और मजबूत करने की दिशा में 'प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर्स अमेंडमेंट एक्ट, 2026' महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान भारत की शान हैं तथा इनके अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने देशवासियों से वीर सपूतों की कुर्बानियों से प्राप्त आजादी और तिरंगे की गरिमा को सदैव बनाए रखने का आह्वान किया। तिरंगा हमारे स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक— मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत प्रारंभ की गई तिरंगा यात्रा जन-जन के अभियान के रूप में नई पीढ़ी में राष्ट्र भावना को सशक्त करने का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। हर घर लहराता हुआ तिरंगा राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। लेकिन यह सम्मान हमारे घरों के साथ ही हमारे दिलों में भी होना चाहिए। इसकी सार्थकता इसी में है कि हम राष्ट्रीय चेतना के आदर्श और मूल्य को अपने जीवन में भी उतारें। त्याग और तपस्या से हमारे हाथों में आया तिरंगा— मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष देश 15 अगस्त को स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह दिवस देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर है। उनके त्याग और तपस्या के फलस्वरूप ही आज हमारे हाथ में यह तिरंगा है।

उन्होंने कहा कि तिरंगा संविधान के आदर्श, एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगे का राजस्थान से गहरा नाता रहा है। पहली बार 15 अगस्त को फहराया गया तिरंगा राजस्थान में बना था। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के क्षणों का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय विद्यार्थियों की टोली हाथों में तिरंगा थामे 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत के उद्घोष के साथ गलियों से गुजरती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीब कल्याण की योजनाओं से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद के खात्मे एवं दुनिया में भारत के बढ़ते गौरव तक अभूतपूर्व बदलाव देखा है। आज का नया भारत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने का काम करता है। सांसद मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

झालावाड़ में फंदे से लटके दंपति, पति की मौत

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ जिले के रटलाई थाना क्षेत्र स्थित रिझोन गांव में रविवार सुबह पति-पत्नी के फंदे से लटकने का मामला सामने आया है। इस घटना में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती है। रटलाई थाना अधिकारी लोकेश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि रिझोन गांव में एक घर के कमरे में पति-पत्नी ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, रिझोन गांव निवासी गिर्राज और उसकी पत्नी आरती रात में खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए थे। सुबह काफी देर तक जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों को शक हुआ। परिजनों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इसके बाद दरवाजा तोड़कर देखा गया तो दोनों कमरे में फंदे से लटके मिले। परिजन तुरंत दोनों को रटलाई के सरकारी अस्पताल ले गए।

जल संचयन संकल्प कार्यक्रम : आदिवासी समुदाय ने किया जल, जंगल और जमीन का संरक्षण

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जल संचयन की अतीत में विकसित हुई समृद्ध परंपराओं से सीख लेते हुए पानी बचाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती पर यदि जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का कार्य किसी ने सबसे पहले और निष्ठा से किया है, तो वह आदिवासी समुदाय है। हरिभाऊ बागडे रविवार को आदिवासी दिवस के अवसर पर 'ग्रामीण विकास एवं शोध परिषद' द्वारा आयोजित 'जल संचयन' संकल्प कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। ज्ञान परंपरा से जुड़ा है जल संरक्षणराज्यपाल ने कहा कि जल संरक्षण भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा से जुड़ा विषय रहा है:

प्राचीन ग्रंथों का उल्लेखः उन्होंने चौथी शताब्दी की पुस्तक 'कृषि पाराशर' और महाराणा प्रताप के दरबारी लेखक पंडित चक्रधर मिश्र द्वारा रचित 'विश्ववल्लभ' का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें वर्षाजल संग्रहण के लिए खेतों में छोटे बांध, कुएं, बावड़ियां और तालाब बनाने की वैज्ञानिक विद्या दी गई है।

बिरसा मुंडा का स्मरणः धरती आबा बिरसा मुंडा और पूर्व मंत्री प्रो. सांवर लाल जाट का स्मरण करते हुए उन्होंने जल संचयन के प्रति जन-जागरूकता और सकारात्मक वातावरण निर्माण पर जोर दिया। सरकारी अभियानों की सराहनाः उन्होंने राज्य सरकार के 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' और 'हर घर जल' योजनाओं को जल स्रोतों के पुनरुद्धार और जल संकट से निपटने में बेहद कारगर बताया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुरिया अस्पताल स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं और वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं सेवाओं का जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री ने वन स्टॉप सेंटर पर उपस्थित पीड़ित महिला की समस्या तथा उसे उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध एवं संवेदनशील तरीके से आवश्यक सहायता दी जाए। इस दौरान उन्होंने वन स्टॉप सेंटर पर पूर्व में दर्ज प्रकरणों की भी जानकारी ली तथा संबंधित मामलों में पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई गई सहायता एवं वर्तमान स्थिति के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने केंद्र में संधारित रिकॉर्ड, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

सरकारी स्कूलों से 10वीं-12वीं पास बेटियों को मिलेगी 30 हजार की छात्रवृत्ति

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। सरकारी विद्यालयों से 10वीं और 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाली बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की ओर से 30 हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी। छात्रवृत्ति योजना के पोस्टर का विमोचन शनिवार को बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने किया। विधायक व्यास ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पात्र छात्राओं तक योजना का लाभ पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि बेटियों को आर्थिक संबल मिलने के साथ वे उच्च शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। फाउंडेशन के डॉ. रविंद्र मारू ने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 से 31 अगस्त 2026 तक किए जा सकेंगे। चयनित छात्राओं को स्नातक या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के दौरान कुल 30 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। राजस्थान में इस वर्ष 35 हजार से अधिक छात्राओं को योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में वर्ष 2024-25 में 5,214 और वर्ष 2025-26 में 22,714 छात्राओं का चयन इस योजना के तहत किया गया था। आवेदन का दूसरा चरण 10 जनवरी से 31 जनवरी 2027 तक चलेगा। छात्रा ने 10वीं और 12वीं कक्षा सरकारी विद्यालय से नियमित विद्यार्थी के रूप में उत्तीर्ण की हो। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में भारत के किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के सरकारी अथवा मान्यता प्राप्त निजी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में दो से पांच वर्ष अवधि के मान्यता प्राप्त स्नातक या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में नियमित प्रवेश लिया होना आवश्यक है। योजना के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है। कार्यक्रम में उपनिदेशक जनसंपर्क हरि शंकर आचार्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इसके बाद दूसरा आवेदन चरण 10 जनवरी से 31 जनवरी 2027 तक निर्धारित किया गया है। पात्र छात्राओं को आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी लेकर निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

संघर्षों के बीच सृजन ही मनुष्यता की पहचान - डॉ. वाघेला

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

रतलाम। संघर्षों के बीच सृजन करना मनुष्य की पहचान है। हर रचनाकार के समक्ष हर समय संघर्ष की परिस्थितियों बनी रही। वैज्ञानिक आधार पर समझें तो प्रत्येक पार्टिकल का एंटीपार्टिकल मौजूद रहता है। समाज में भी अच्छाईयां और बुराइयां सब रहेगी। इनके बीच संघर्ष हमेशा चलता रहेगा। एक रचनाकार का यह दायित्व है कि वह अपने सृजन के माध्यम से समाज को अच्छाइयों की तरफ अग्रसर करे और मनुष्य की उम्मीदों को ख़त्म न होने दे। उक्त विचार पूर्व प्राचार्य एवं शिक्षाविद डॉ. धर्मराज वाघेला ने जनवादी लेखक संघ द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह में व्यक्त किए।

युवा क्रांति ही वर्तमान चुनौतियों का समाधान : गांधी वाटिका में अगस्त क्रांति दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। अगस्त क्रांति दिवस और भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ के अवसर पर रविवार को गांधी वाटिका में 'युवा क्रांति है! वर्तमान चुनौतियों का समाधान' विषय पर एक विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सेवा संस्थान, भारत सेवा फाउंडेशन और महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कुमार प्रशांत का मुख्य संबोधनः 'विचार सदैव कायम रहता है' गांधी शांति प्रतिष्ठान (दिल्ली) के अध्यक्ष कुमार प्रशांत ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहाः युवा युग परिवर्तन का वाहकः चाहे आजादी का आंदोलन रहा हो या आज के दौर में जंतर-मंतर, दिल्ली या झारखंड में गांधीवादी तरीके से आंदोलन कर रहे युवा हों, युवा ही हमेशा युग परिवर्तन का जरिया बने हैं।

सत्य और अहिंसा की राहः उन्होंने कहा कि परिस्थितियां बदलती रहती हैं, लेकिन विचार सदैव कायम रहता है। वर्तमान में जिस प्रकार Gen-Z (युवा पीढ़ी) गांधीवादी सिद्धांतों— सत्य और अहिंसा पर चलकर समाज की समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रही है, वह आशा की किरण है और साबित करती है कि गांधी आज भी जीवित हैं।

प्रमुख वक्ताओं के विचार : टीकाराम जूली (नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान विधानसभा): उन्होंने कहा कि आज के समय में भी भारत छोड़ो आंदोलन जैसी ही परिस्थितियां मौजूद हैं। युवाओं को गांधी जी के बताए रास्ते पर चलकर समाज की चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

डॉ. बी.एम. शर्माः उन्होंने गांधी जी की प्रतिरोध शैली का उल्लेख करते हुए कहा कि 1942 में 'करो या मरो' का नारा केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक संकल्प बन गया था, जिसने युवाओं को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में वैभव गहलोत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान के सचिव गिरधारी सिंह बापना ने स्वागत उद्बोधन दिया। भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। संगोष्ठी में प्रसिद्ध कवि संपत सरल, गांधीवादी विचारक सवाई सिंह, अमीन पठान, राजेंद्र कुंबज, ध्यान सिंह, चैन सिंह जैन, एडवोकेट ललित कुमार, संत कुमार जैन, धर्मेंद्र जाटव, विक्रम स्वामी, मीनाक्षी, शेर सिंह महला, कुसुम जैन और रामफूल गुर्जर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गौतम के. गट्स ने 'युवा क्रांति गीत' प्रस्तुत किया और मंच संचालन श्यामसुंदर जोशी ने किया। इन समस्याओं के समाधान के लिए युवाओं को केवल शिकायत करने के बजाय रचनात्मक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी भूमिका निभानी होगी।

तिरंगा रैली और पौधरोपण के साथ विकास कार्यों की सौगात, विधायक सुभाष मील का ग्रामीणों ने किया स्वागत

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

खंडेला। (विनोद धायल) रविवार को क्षेत्र में देशभक्ति और विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विधायक सुभाष मील के मुख्य आतिथ्य में तिरंगा रैली निकाली गई। इसके बाद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान गौरिया जेता की ढाणी में बनने वाली पानी की टंकी का शिलान्यास भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान ग्राम गौरिया के ग्रामीणों ने गांव को नवीन ग्राम पंचायत बनाए जाने पर विधायक सुभाष मील का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि नवीन ग्राम पंचायत बनने से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलने के साथ ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर मिल सकेगा। विधायक सुभाष मील ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। सड़क, पानी, बिजली सहित मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार आमजन के हित में बेहतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने आगामी पंचायत राज चुनाव और नगरपालिका चुनाव में पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर भाजपा के पक्ष में कार्य करने और पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।

विश्व विख्यात शोध संस्थान की बदहाली का मामला हाईकोर्ट पहुंचा, अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी...

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

टोंक। राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ ने टोंक स्थित ऐतिहासिक 'मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी-फारसी शोध संस्थान' (MAPRI) की बदहाली, प्रशासनिक संकट और वहां लंबे समय से खाली पड़े पदों को लेकर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस जनहित याचिका (PIL) पर सरकार से जवाब मांगा है।अन्तरिम आदेश और अगली सुनवाईःकार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति भुवन गोयल की खंडपीठ ने इस मामले में (D.B. Civil Writ Petition No. 7660/2026) आदेश जारी किया। कोर्ट की ओर से विपक्षियों (राज्य सरकार व अन्य) को नोटिस जारी कर दिया गया है, जिसे राजकीय अधिवक्ता कुलदीप सिंह राठौड़ ने स्वीकार किया। माननीय अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 08 सितंबर 2026 की तारीख तय की है। याचिकाकर्ता सरताज अहमद द्वारा दायर इस जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्य सरकार की घोर उपेक्षा के कारण यह प्रतिष्ठित संस्थान आज बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। संस्थान में प्रशासनिक संकट गहराया हुआ है और महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां न होने से शोध कार्य पूरी तरह ठप हैं। याचिका में संस्थान के भीतर मौजूद अमूल्य अरबी और फारसी पांडुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेजों और ग्रंथों के संरक्षण, सुरक्षा तथा उनके त्वरित डिजिटलीकरण (Digitization) की भी पुरजोर मांग की गई है ताकि इस ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर को नष्ट होने से बचाया जा सके। कभी देश-विदेश के शोधार्थियों के लिए ज्ञान और शोध का प्रमुख केंद्र रहा टोंक स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी-फारसी शोध संस्थान आज गंभीर प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार होकर अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। कर्मचारियों की भारी कमी, 30 वर्षों से भर्ती नियम नहीं बनने, रिक्त पदों पर नियुक्तियां ठप रहने और जर्जर होती आधारभूत सुविधाओं ने संस्थान के अकादमिक कार्यों को लगभग ठहराव की स्थिति में पहुंचा दिया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि संस्थान में 45 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल 9 कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें भी अकादमिक संवर्ग का केवल एक कर्मचारी बचा है, जो अगले माह सेवानिवृत्त हो जाएगा। इसके बाद संस्थान में शोध, पांडुलिपियों के अध्ययन, प्रकाशन और शोधार्थियों के मार्गदर्शन जैसे मूल कार्यों को संभालने वाला कोई भी अकादमिक अधिकारी, कर्मचारी नहीं रहेगा। लेकिन करीब तीन दशक पुराने भर्ती नियम समाप्त होने के बाद नए सेवा नियम अब तक लागू नहीं किए जा सके हैं। परिणामस्वरूप वर्षों से महत्वपूर्ण रिक्त पड़े पदों पर नियुक्तियां नहीं हो सकीं।

राजस्थान/ प्रादेशिक

जन अभाव अभियोग निराकण समिति के सदस्य, जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन अभाव अभियोग निराकरण समिति आमजन की समस्याओं को सुनकर उन्हें प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण काम करती है।

साथ ही, उनके समाधान की प्रक्रिया को गति देने तथा उसकी निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाती है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर समिति के सदस्य सेवा के भाव के साथ नागरिकों की समस्याओं को हल करने के लिए सक्रियता से काम करें। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न जिला स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण समिति सदस्यों के धन्यवाद एवं आभार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्य जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु हैं। वे आमजन के जन अभाव और अभियोग का त्वरित समाधान करते हैं तथा धरातल पर योजनाओं के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इससे राजस्थान में सुशासन का संकल्प साकार हो रहा है।

सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में मिला उपसरपंच का शव

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बहरोड़ (कोटपूतली-बहरोड़)।

कस्बे के रिवाली रोड पर हमजापुर की ढाणी के पास रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब भिटेड़ा निवासी उपसरपंच का शव सड़क किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। मृतक की पहचान भिटेड़ा के उपसरपंच उपदेश (पुत्र अमर सिंह) के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिसः घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सील किया। चोट के निशानः प्राथमिक जांच में मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध और प्रथम दृष्टया हत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। FSL टीम ने जुटाए साक्ष्यः फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य और फिंगरप्रिंट्स एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया है और मामला दर्ज कर मौत के कारणों व संदिग्ध परिस्थितियों की गहनता से जांच शुरू कर दी है।

खाचरियावास के गोपीनाथजी मंदिर में चोरी का खुलासा, 150 CCTV कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों तक पहुंची पुलिस

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

दांतारामगढ़। दांतारामगढ़ पुलिस ने मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाली एक अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खाचरियावास स्थित गोपीनाथजी मंदिर में 15 जुलाई की रात हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए महिपाल सैनी निवासी लोसल और प्रियांशु उर्फ भानु निवासी फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने मंदिरों को निशाना बनाकर चोरी की कई वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपी पहले मंदिरों की रेकी करते थे और इसके बाद रात के समय ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। 15 जुलाई की रात खाचरियावास स्थित गोपीनाथजी मंदिर में चोरों ने ताले तोड़कर चांदी के छत्र सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया था। घटना के बाद दांतारामगढ़ पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। सीकर एसपी प्रवीण नायक नुनावत के निर्देशन में थानाधिकारी राजेश कुमार डूडी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के साथ करीब 150 CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार जांच और तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची और दोनों को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी राजेश कुमार डूडी के अनुसार पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी गैंग बनाकर मंदिरों में चोरी की वारदातें करते थे। गैंग के सदस्यों द्वारा राजस्थान के विभिन्न जिलों के कई थाना क्षेत्रों में मंदिरों को निशाना बनाए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया है। आरोपियों से पूछताछ कर गैंग में शामिल अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही चोरी किए गए सामान की बरामदगी के प्रयास भी किए जा रहे हैं। थानाधिकारी ने बताया कि हाल ही में कुली ग्राम में रामचंद्र स्वामी के घर हुई चोरी के मामले में भी पुलिस टीमें गंभीरता से जांच कर रही हैं। पुलिस CCTV फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस वारदात का भी खुलासा किए जाने की संभावना है। पुलिस टीम की कार्रवाई से मंदिरों में चोरी करने वाले गिरोह पर शिकंजा कसने के साथ क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की वारदातों के खुलासे की उम्मीद बढ़ गई है।

जयपुर में पूर्व IPS की बहू बोली- मेरा पति नामर्द

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। जयपुर में एक पूर्व आईपीएस की बहू ने ससुरालवालों पर टॉर्चर करने का मामला दर्ज करवाया है। उसने आरोप लगाया कि पति के नपुंसक (नामर्द) होने की बात छुपाकर धोखे से शादी करवाई गई। जेठ के कमरे में भेजकर संबंध बनाने का दबाव बनाया गया। इसके अलावा, ससुर ने फर्जीवाड़े कर जो प्रॉपर्टी खड़ी की, उसमें भी पीड़िता के नाम से खाते खुलवा दिए। विरोध करने पर नवंबर 2023 में ससुरालवालों ने जमीन पर पटककर पीटा। फिर घर से निकाल दिया। ससुरालवालों ने अगस्त-2026 में फोन कर तलाक देने के लिए धमकाया। इसके बाद पीड़िता ने कोर्ट से आदेश करवाकर पति सहित ससुरालवालों के खिलाफ गुरुवार को मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया- जयपुर की रहने वाली 29 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया- साल 2019 में पूर्व आईपीएस अफसर के बेटे से उसकी शादी तय हुई थी। लड़के वालों ने बिना दहेज के शादी करने की सहमति दी थी। महिला ने बताया- फरवरी 2020 में शादी होने पर सुसराल आ गई।

सावन की हरियाली और लहरिया की रंगत से सजेगा 'रिमझिम लहरिया महोत्सव-2026'

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर।(विनोद धायल) सावन की हरियाली, रंग-बिरंगे लहरिया परिधान और राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का खूबसूरत संगम जयपुर में देखने को मिलेगा। श्री कृष्णा सेवा संस्थान फाउंडेशन के तत्वावधान में सावन उत्सव एवं राजस्थानी संस्कृति को समर्पित 'रिमझिम लहरिया महोत्सव-2026' का आयोजन 11 अगस्त को किया जाएगा। आयोजक लक्की राठौड़ ने बताया कि महोत्सव का आयोजन मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक नारायण पैराडाइज, मार्बल मंडी चौराहा, गोकुलपुरा-206, कालवाड़ रोड, जयपुर में होगा। महोत्सव में सावन उत्सव, लहरिया थीम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, झूला महोत्सव, विभिन्न प्रतियोगिताएं, स्वादिष्ट प्रसाद और विशेष सम्मान समारोह प्रमुख आकर्षण रहेंगे। कार्यक्रम में महिलाओं एवं परिवारों की विशेष भागीदारी रहेगी। सावन के पारंपरिक रंगों और राजस्थानी लहरिया परिधान को भी विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार महोत्सव का उद्देश्य राजस्थान की लोक परंपराओं, पारंपरिक पहनावे और सांस्कृतिक विरासत को उत्सव के माध्यम से जीवंत रखना तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना है। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम को आकर्षक और यादगार बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। श्री कृष्णा सेवा संस्थान फाउंडेशन ने शहरवासियों से परिवार सहित महोत्सव में पहुंचकर सावन, लहरिया और राजस्थानी संस्कृति की रंगत का आनंद लेने तथा आयोजन की शोभा बढ़ाने की अपील की है। आयोजन स्थल पर झूला महोत्सव भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा। कार्यक्रम में राजस्थानी लोक संस्कृति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी।

ऑपरेशन नीलकंठः बीकानेर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अफीम-डोडा पोस्त जब्त, शराब तस्करी का खुलासा

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

बीकानेर। बीकानेर रेंज पुलिस द्वारा नशे और अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन नीलकंठ के तहत लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज ओमप्रकाश तथा पुलिस अधीक्षक बीकानेर मृदुल कच्छावा के निर्देशन में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए अफीम, डोडा पोस्त और लाखों रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। पुलिस थाना रणजीतपुरा की टीम ने 8 अगस्त को चक 04 आरएम क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रामचंद्र पुत्र राजाराम विश्नोई (36) निवासी वार्ड नंबर 07, चक 04 आरएम के खेत से 1.335 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण की जांच बज्जू थानाधिकारी चंद्रजीत सिंह भाटी कर रहे हैं। कार्रवाई में थानाधिकारी जगदीश सिंह, एचसी प्रतापदान, कांस्टेबल मोडाराम, लालाराम, मोबताराम तथा डीआर जगदीश शामिल रहे। पुलिस के अनुसार कांस्टेबल लालाराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। देशनोक थाना पुलिस ने नाकाबंदी एवं होटल-ढाबा चेकिंग के दौरान बिना नंबर की स्कॉर्पियो से 40.17 ग्राम अवैध अफीम बरामद की। पुलिस ने सुनील (30), मांगीलाल (23) और कैलाश (29) निवासी भोजासर थाना क्षेत्र, जिला फलौदी को गिरफ्तार किया है। वाहन भी जब्त कर लिया गया है।

कार्रवाई थानाधिकारी सुमन शेखावत के नेतृत्व में की गई। टीम में चरण सिंह, रघुवीर सिंह, राजेंद्र, ओमप्रकाश सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। कांस्टेबल मुनीराम, राजेंद्र और सीताराम की विशेष भूमिका बताई गई है। महाजन थाना पुलिस

ने अरजनसर-पल्लू मेगा हाईवे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ निर्मित 465 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की। पुलिस के अनुसार शराब की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये है और इसे पंजाब से गुजरात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने शराब से भरे कैंटर RJ04GD1514 को जब्त कर दिनेश कुमार विश्नोई (45) निवासी पीलवा, थाना लोहावट, जिला फलौदी को गिरफ्तार किया है।

कार्यशाला में आईटीएमएस पोर्टल के बारे में करदाताओं को दी जानकारी

एजेंसी, ज़ूम न्यूज़

टोंक। वाणिज्यिक कर विभाग टोंक की ओर से आईटीएमएस (ई टैक्स ऑफिसर) पोर्टल के बारे में करदाताओं को जानकारी देने के लिए लिए शनिवार को कार्यशाला का आयोजन कार्यालय के सभागार में किया गया। आईटीएमएस वाणिज्यिक कर विभाग राजस्थान का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित स्वःकर निर्धारण का नवाचार हैं। जिसका उद्देश्य करदाता की टैक्स अनुपालना को आसान बनाना हैं। ई-टैक्स ऑफिसर मॉड्यूल द्वारा करदाताओं के रिटर्न, नोटिस, रिफण्ड, रिप्स, ई-वे बिल तथा मांग आदेश पत्र आदि सूचनाएं समग्र रूप से एक मॉड्यूल पर उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही इस मॉड्यूल के द्वारा करदाता की टैक्स अनुपालना रेटिंग का भी आकलन हो जायेगा। समय-समय पर अलर्ट के माध्यम से करदाताओं को सतर्क किया जायेगा। कार्यशाला में वृत्त टोंक के करदाताओं ने भाग लिया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी सौगात

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को 10 नवीन अत्याधुनिक रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, सांसद मदन राठौड़ सहित मंत्रिपरिषद् के सदस्य, सांसद, विधायक और संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रदेश में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से कुल 4 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत के इन वाहनों को राज्य के 10 राजकीय ब्लड बैंकों को आवंटित किया गया है। इन वाहनों में 3 डोनर काउच, 2 ब्लड कलेक्शन मॉनिटर, ट्यूब सीलर, 200 यूनिट क्षमता वाला रेफ्रिजरेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर, डिजिटल थर्मामीटर तथा रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए एलईडी टीवी एवं पब्लिक एड्रेसिंग सिस्टम जैसी सुविधाएं उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में कुल 286 ब्लड बैंक संचालित हैं, जिनमें 66 राजकीय ब्लड बैंक हैं। प्रदेश में प्रतिवर्ष करीब 9 लाख यूनिट रक्त की आवश्यकता होती है और स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग 5 लाख यूनिट रक्त एकत्र किया जाता है। नवीन रक्त संग्रहण एवं परिवहन वाहनों के माध्यम से अब दूर-दराज के क्षेत्रों में भी सुविधाजनक रूप से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित हो सकेंगे तथा रक्त संग्रहण को बढ़ाया जा सकेगा। इन वाहनों की कुल लागत करीब 4 करोड़ 50 लाख रुपये है। इनके संचालन से दूर-दराज के ग्रामीण और ऐसे क्षेत्रों में भी रक्तदान शिविर आयोजित करना आसान होगा, जहां स्थायी रक्त संग्रहण सुविधाओं तक पहुंच सीमित है। सरकार का उद्देश्य इन मोबाइल वाहनों के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान की पहुंच को व्यापक बनाना और अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है। नवीन वाहनों को रक्त संग्रहण और सुरक्षित परिवहन को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया खेल प्रतिभाओं का सम्मान, राजस्थान के पदक विजेता खिलाड़ी हमारा गौरव

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अरुंधति चौधरी, यशवीर सिंह, राहुल शर्मा, मोना अग्रवाल और संध्या विश्नोई प्रदेश के गौरव हैं तथा इनसे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। इन प्रतिभावान खिलाड़ियों के प्रशिक्षकों, परिजनों और सहयोगियों के त्याग और समर्पण ने इनकी सफलताओं की नींव रखी है। मुख्यमंत्री शनिवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब आफ राजस्थान में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अरुंधति चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा है। यशवीर सिंह ने भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा अपना स्थान बना लेती है। उन्होंने कहा कि शूटिंग पैरा वर्ल्ड कप में राहुल शर्मा ने स्वर्ण पदक, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक, संध्या विश्नोई ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा और सामथ्र्य का शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि इन सभी ने परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया है तथा राजस्थान का नाम भी गौरव के साथ स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत खेलों के क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने खेलों को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम माना है। वर्तमान में भारत विश्व को यह संदेश दे रहा है कि वह सिर्फ आर्थिक प्रगति नहीं कर रहा, बल्कि खेल, विज्ञान और तकनीक जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश में खेलों का मजबूत वातावरण बना है, गांव-गांव से प्रतिभा की पहचान हो रही है और उसे विश्वस्तरीय मंच तक पहुंचाने की मजबूत व्यवस्था तैयार की गई है। केन्द्र सरकार द्वारा 36 हजार करोड़ रुपये के खेलो इंडिया से खेलो को नई दिशा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को

उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, उपकरण, चिकित्सा सुविधा और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जयपुर में लगभग 101 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। अब तक 186 खिलाड़ियों को नियुक्तियां प्रदान की गई हैं।

जनसंवाद से मजबूत होगा लोकतंत्र, युवाओं की भागीदारी देगी नई दिशा : विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी

जयपुर, ज़ूम न्यूज़

जयपुर। विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने जयपुर में जगन फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'जन संवाद' कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र, जनप्रतिनिधियों की भूमिका, जवाबदेही तथा अमृत पीढ़ी की लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की शक्ति जनता के विश्वास और निरंतर संवाद में निहित है।

जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनमानस की अपेक्षाओं को समझकर विकास एवं जनकल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करें। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि सार्थक संवाद लोकतंत्र को मजबूत करता है। जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच प्रभावी एवं निरंतर संवाद से शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को सहभागी और जन-केंद्रित बनाने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के साथ निरंतर संवाद आवश्यक है। 'जन संवाद' जैसे मंच विचारों के आदान-प्रदान और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।

मनोरंजन समाचार

‘बिग बॉस 19’ फेम नेहल चुडासमा ने अमीन घेसमती संग रिश्ता किया ऑफिशियल, वायरल पोस्ट के कैप्शन ने खोला राज

‘बिग बॉस 19’ फेम नेहल चुडासमा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमीन घेसमाती के साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है। एक्ट्रेस और मॉडल ने हाल ही में एक अवॉर्ड शो के दौरान उन पोस्ट्स पर बात की, जिनमें अमीन को उनका पति बताया गया था। अब उन्होंने इस पर सफाई देते हुए, कहा कि किया कि दोनों की अभी शादी नहीं हुई है। नेहल चुडासमा और अमीन घेसमती की शादी की अफवाहें तब उड़ी थी, जब उन्होंने ब्राइडल लुक में एक अनजान व्यक्ति का हाथ पकड़े हुए तस्वीर पोस्ट की और उस पोस्ट के कैप्शन ने सभी के होश उड़ा दिए थे। इन अफवाहों के बीच मिस दिवा यूनिवर्स 2018 नेहल चुडासमा ने अपने बॉयफ्रेंड अमीन घेसमती के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं और अपने प्यार का इजहार किया है। सोशल मीडिया पर नेहल चुडासमा ने अमीन घेसमती के साथ चार फोटो शेयर कर लिखा, ‘मैंने उनसे कहा कि कैप्शन में ‘पति’ शब्द का इस्तेमाल न करें, क्योंकि हमारी अभी शादी नहीं हुई है, लेकिन हम एक-दूसरे के प्यार में हैं।’ उनके कैप्शन ने तुरंत फैंस का ध्यान खींचा, क्योंकि

उन्होंने अमीन के लिए अपने प्यार का खुलकर इजहार किया और साथ ही यह भी साफ किया कि उन्होंने अभी शादी नहीं की है। वे दोनों बस अभी गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड हैं। इस वायरल पोस्ट के कैप्शन से उन्होंने साफ कर दिया कि वह अमीन को अपना पति नहीं कहलवाना चाहतीं, लेकिन दोनों ने अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है। नेहल चुडासमा और अमीन घेसमाती की तस्वीरों पर एक X यूजर ने कमेंट किया, ‘आइडल कपल, आप दोनों सच में एक-दूसरे के लिए ही बने हैं। उम्मीद है कि जब मुझे प्यार मिलेगा तो वह ऐसा ही होगा। मुझे बिल्कुल ऐसा ही चाहिए।’ इस पर नेहल ने जवाब दिया, ‘मुझे यह तब मिला, जब मैं इसकी तलाश भी नहीं कर रही थी! मैं सच में उम्मीद और प्रार्थना करती हूं कि हर किसी को ऐसा प्यार महसूस हो।’ अमीन घेसमाती ईरान के तेहरान में जन्मे एक ईरानी मॉडल, फिटनेस इन्फ्लुएंसर, एथलीट और कंटेंट क्रिएटर हैं। फिटनेस और मॉडलिंग में करियर बनाने से पहले उन्होंने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

उन्होंने कई इंटरनेशनल ब्रांड्स के साथ काम किया है और लैक्मे फैशन वीक और बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक जैसे बड़े फैशन इवेंट्स में भी हिस्सा लिया है।

मॉडलिंग के अलावा, अमीन एक सर्टिफाइड फिटनेस कोच, किकबॉक्सर और मेन्स फिजिक एथलीट भी हैं। वह फिट क्लब फैक्ट्री और AG मॉडल मैनेजमेंट जैसे फिटनेस और मॉडलिंग वेंचर्स के फाउंडर भी हैं। इंस्टाग्राम पर अमीन फिटनेस टिप्स, वर्कआउट रूटीन, लाइफस्टाइल कंटेंट और अपनी पर्सनल लाइफ की झलकियां शेयर करते हैं। नेहल चुडासमा एक भारतीय मॉडल, फिटनेस कंसल्टेंट, एक्ट्रेस और ब्यूटी पेजेंट विनर हैं। उन्हें मिस दिवा यूनिवर्स 2018 का ताज पहनाया गया था और उन्होंने बैंकॉक में मिस यूनिवर्स 2018 पेजेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। बाद में उन्होंने वेब सीरीज और डिजिटल शो में एक्टिंग करके अपने करियर को आगे बढ़ाया और ‘बिग बॉस 19’ में एक कंटेस्टेंट के तौर पर टेलीविजन पर भी पहचान बनाई।

17 फिल्मों के बाद क्यों जुदा हो गईं डेविड धवन-गोविंदा की राहें? खुद अभिनेता ने सुनाया किस्सा

गोविंदा और डेविड धवन की जोड़ी एक समय पर बॉलीवुड की सबसे सफल एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ियों में से एक थी। 90 के दशक में दोनों ने साथ में 17 फिल्में कीं, जिनमें से कई फिल्में तो 90 के दशक की पहचान बन गईं। हालांकि, 17 फिल्मों के बाद दोनों का साथ छूट गया। लंबे समय तक अलग-अलग तरह की थ्योरी चलती रहीं, लेकिन अब इतने सालों बाद गोविंदा ने बताया है कि आखिर दोनों ने अचानक साथ काम करना क्यों बंद कर दिया। गोविंदा के अनुसार, डेविड धवन साथ में और फिल्में करना चाहते थे, लेकिन उन्हें लगा कि डेविड अब उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं, जहां दोनों का साथ काम करना ठीक नहीं है। एएनआई से बात करते हुए गोविंदा ने डेविड धवन के साथ 17 फिल्मों के बाद काम न करने का कारण बताया। उन्होंने निर्देशक की तारीफ करते हुए उन्हें ‘भगवान का बच्चा’ बताया और कहा- ‘मैंने डेविड जी के साथ 17 फिल्में कीं। डेविड भगवान के बच्चे जैसे हैं। जिस समय उन्हें लगा कि समय आ गया है कि मैं गोविंदा के साथ और आगे नहीं बढ़ पाऊंगा, वो ठहर गए। मैं चाहता था कि हम साथ में 18वीं और 19वीं फिल्म करें, लेकिन उन्होंने फिर साथ काम नहीं किया। उनके फैसले के बाद मुझे लगा कि वह अपनी सोच के अनुसार चल रहे हैं। मुझे इस बारे में कभी कोई संदेह नहीं था।

एकता कपूर की चमक कम नहीं हुई, वह समय के साथ बदलना जानती हैं : तेजस्वी प्रकाश

टीवी की दुनिया में अब डेली सोप्स के मुकाबले रियलिटी शोज, गेमिंग शोज और अलग तरह के कंटेंट को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे समय में मशहूर प्रोड्यूसर और ‘टेलीविजन की क्वीन’ कही जाने वाली एकता कपूर ने खुद को सिर्फ टीवी सीरियल्स तक सीमित नहीं रखा और रियलिटी शो के क्षेत्र में कदम बढ़ाया। इस कड़ी में एकता कपूर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने कहा कि वह समय के साथ खुद को बदलना जानती हैं। दरअसल, तेजस्वी प्रकाश इन दिनों गेमिंग रियलिटी शो ‘प्लेग्राउंड’ के पांचवें सीजन को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, ‘‘एकता कपूर हमेशा से टेलीविजन की क्वीन रही हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ टीवी की निर्माता के तौर पर देखना सही नहीं होगा। वह एक बेहतरीन रणनीतिकार होने के साथ-साथ बहुत समझदार बिजनेसवुमन भी हैं। उन्हें पता है कि इस समय दर्शकों के बीच क्या चल रहा है और किस तरह का कंटेंट लोगों को पसंद आ रहा है। इसलिए वह अपने काम को समय की मांग के हिसाब से बदलती रहती हैं।’’ तेजस्वी ने कहा, ‘‘एकता ने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा है, जो अपने काम करने के तरीके में बदलाव नहीं करना चाहते। ऐसे लोग चाहे उनका तरीका काम करे या न करे, उसी रास्ते पर चलते रहते हैं। इसकी वजह से वे आगे नहीं बढ़ पाते और एक जगह पर ही रुक जाते हैं। समय के साथ खुद में बदलाव करना बेहद जरूरी है और उन्होंने अपने जीवन में इस बात को महसूस किया है।’’ तेजस्वी ने कहा, “एकता कपूर ने अपनी गलतियों को समझा है और उन गलतियों से सीखने के बाद अपने काम करने के तरीके में जरूरी बदलाव किए हैं। जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए यह समझना जरूरी है कि कब अपने तरीके को बदलने की जरूरत है।” रियलिटी शो ‘लॉक अप’ को लेकर भी तेजस्वी ने एकता कपूर की टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, ‘‘शो के दूसरे सीजन की सफलता से मैं बेहद खुश और गर्व महसूस कर रही हूं।

सर्जरी के दौरान सोनू निगम गाने लगे गाना, डॉक्टर करते रहे इलाज, ऑपरेशन थिएटर में गाया रफी साहब का गीत

सोनू निगम ने एक बार फिर दिखाया है कि संगीत उनके जीवन में कितनी गहराई से रचा-बसा है और उनका एक वायरल वीडिया इस बात का सबूत है। मशहूर सिंगर ने हाल ही में अस्पताल से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने डॉक्टर और मेडिकल टीम के लिए मोहम्मद रफी का एक क्लासिक गाना गाया। मुश्किल हालात में भी सोनू निगम ने हिम्मत नहीं हारी। दर्द के बावजूद उन्होंने गाना गाया और इस अनुभव को जॉय ऑफ म्यूजिक बताया। उनके इस अनोखे परफॉर्मेंस ने फैंस का ध्यान खींचा है, जो उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। सिंगर ने बताया कि सर्जरी के दौरान उन्होंने डॉ नीलेश सतभाई और उनकी टीम के लिए गाना गाया।

कम उम्र में शोहरत, फिर विवादों ने घेरा ऐसी रही हंसिका मोटवानी की फिल्मी और निजी जिंदगी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। 9 अगस्त 1991 को मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो ‘शाका लाका बूम बूम’ में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म ‘कोई मिल गया’ में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म ‘देसमुदुरु’ से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। ‘एंगेयुम काधल’ और ‘ओरु कल ओरु कन्नाड़ी’ जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई। एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए। हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था। इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा।

हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर ‘हंसिका लव शादी ड्रामा’ नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है। हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है। हंसिका के करियर की शुरुआत उस दौर में हुई, जब वह काफी छोटी थीं। ‘शाका लाका बूम बूम’ जैसे लोकप्रिय धारावाहिक में नजर आने के बाद उन्हें बच्चों के बीच खास पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ सहित कई टेलीविजन धारावाहिकों में काम किया। बाल कलाकार के तौर पर उनकी लोकप्रियता ने आगे चलकर फिल्मों में प्रवेश का रास्ता तैयार किया। बॉलीवुड में उन्हें ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा अभिनीत ‘कोई मिल गया’ में काम करने का अवसर मिला। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों की ओर रुख किया, जहां उनके करियर को नई दिशा मिली।

तेलुगु फिल्म ‘देसमुदुरु’ में मुख्य अभिनेत्री के रूप में उनकी शुरुआत हुई। कम उम्र में मुख्य भूमिका निभाने वाली हंसिका के अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया और उन्हें नवोदित अभिनेत्री के तौर पर सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल सिनेमा में हंसिका ने अपनी मजबूत जगह बनाई। ‘एंगेयुम काधल’ और ‘ओरु कल ओरु कन्नाड़ी’ जैसी फिल्मों की सफलता ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना दिया। समय के साथ उन्होंने केवल एक तरह के किरदारों तक खुद को सीमित नहीं रखा और अलग-अलग भूमिकाओं के माध्यम से अपनी अभिनय क्षमता दिखाने की कोशिश की। हार्मोन संबंधी उपचार लेने जैसी बातें भी शामिल थीं। इसके बावजूद यह मामला लंबे समय तक चर्चा में रहा।

केबीसी के ग्रैंड प्रीमियर में ‘बंटवारा 1947’ की पूरी स्टारकास्ट, अमिताभ के साथ आमिर खान भी आएंगे नजर

हिंदी पीरियड ड्रामा ‘बंटवारा-1947’ की पूरी स्टारकास्ट अभिनेता अमिताभ बच्चन के क्विज शो ‘कौन बनेगा करोड़पति’ के ग्रैंड प्रीमियर में आमिर खान के साथ शिरकत करेगी। शो मेकर्स ने प्रीमियर का छोटा-सा क्लिप शेयर कर इस बात की जानकारी दी। सभी कलाकार होस्ट अमिताभ बच्चन के साथ इस क्विज-बेस्ड रियलिटी शो में अपनी आने वाली फिल्म ‘बंटवारा 1947’ का प्रमोशन करते नजर आएंगे। चैनल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक नया प्रोमो शेयर किया है। इसमें आमिर खान मस्ती के मूड में बिग बी से इस सीजन की थीम ‘सोचना पड़ेगा’ के बारे में सवाल करते दिख रहे हैं। आमिर कहते हैं, “आपने प्रोमो में कहा है ‘सोचना पड़ेगा’, तो क्या सोचना पड़ेगा?” इसके जवाब में अमिताभ बच्चन ने अपने खास अंदाज में कहा, “इतना आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि सोचना पड़ता है न, भाईसाब।” आमिर ने तुरंत सहमति जताते हुए कहा, “सोचना पड़ेगा, सर... वाकई सोचना पड़ेगा।” इस एपिसोड में सनी देओल पहली बार कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर नजर आएंगे। बता दें कि सनी का अमिताभ बच्चन के साथ बहुत पुराना और गहरा रिश्ता है। यह रिश्ता उनके पिता और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के जरिए दशकों पुराना है। अमिताभ और धर्मेंद्र ने साथ में कई यादगार फिल्में की हैं, जिनमें ‘शोले’, ‘चुपके चुपके’ और ‘राम बलराम’ शामिल हैं।

‘Gen Z से कुछ सीखिए’, मृणाल ठाकुर ने 10 साल छोटे क्रिकेटर संग डेटिंग की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

मृणाल ठाकुर पिछले दिनों फिर एक अफवाह को लेकर चर्चा में रहीं। मृणाल का नाम अब तक कई कलाकारों से जुड़ चुका है, लेकिन हद तो तब हो गई जब लोगों ने उनका नाम इंडियन क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल के साथ जोड़ना शुरू कर दिया। दोनों के डेटिंग की खबरें तब सामने आईं जब दोनों को एक वायरल वीडियो में मुंबई के बांद्रा वेस्ट में एक कैफे में देखा गया। दोनों को इस कैफे से निकलते देखने को बाद सोशल मीडिया पर अफवाहों का दौर शुरू हो गया। कई ने दावा किया कि दोनों के बीच कुछ तो खिचड़ी पक रही है। लेकिन, इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खुद मृणाल ने इन पर फुल स्टॉप लगा दिया है और साफ किया कि उनके और यशस्वी के बीच कुछ नहीं चल रहा। यशस्वी जायसवाल के साथ नाम जोड़े जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए मृणाल ने लिखा, ‘भाई शांत हो जाओ, मुझे दिखाओ कि हम एक साथ कहां थे? कैसे यार आप लोग इतने पढ़े-लिखे लोग ऐसी अफवाहों को सच मानने लगते हैं? देश में क्या कुछ नहीं हो रहा है। जैन जी से कुछ सीखिए और जो सही मुद्दे हैं, उन पर वीडियोज बनाईये। इससे और ज्यादा व्यूज मिलेंगे।’ एक्ट्रेस के इस जवाब से यह साफ हो गया कि वह और क्रिकेटर एक-दूसरे को डेट नहीं कर रहे हैं। बता दें, मृणाल ठाकुर का नाम धनुष से भी जुड़ चुका है। दोनों के बीच अफेयर की चर्चा तब शुरू हुई, जब अगस्त 2025 में ‘सन ऑफ़ सरदार 2’ के प्रीमियर पर मृणाल और धनुष को एक-दूसरे से गर्मजोशी से मिलते हुए देखा गया। आखिरकार मृणाल ने इन दावों को सिरे से नकार दिया और कहा कि उन्हें नहीं पता कि ये अफवाहें कहां से आ रही हैं। मृणाल कई बार ये बात साफ कर चुकी हैं कि धनुष के साथ उनका रिश्ता प्रोफेशनल है। इससे पहले

एक्ट्रेस का नाम क्रिकेटर श्रेयस अय्यर और रैपर बादशाह के साथ भी जोड़ा जा चुका है। दूसरे नामों के उलट, मृणाल ठाकुर और लेखक शरद चंद्र त्रिपाठी का रिश्ता सिर्फ इंटरनेट की अफवाह नहीं था। मृणाल एक समय पर शरद को डेट कर रही थीं और दोनो ने ‘नच बलिए 7’ में साथ हिस्सा लिया था। पिछले दिनों मृणाल अपने एक पोस्ट को लेकर भी चर्चा में रहीं।

सार समाचार

कोस्टा रिका की रेबेका बन सकती हैं पहली महिला यूएन महासचिव, मजबूत दावेदार के तौर पर उभरीं

न्यूयॉर्क। कोस्टा रिका की राजनयिक और पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिन्सपैन अचानक ही वैश्विक पटल पर चर्चा के केंद्र में आ गई हैं। वो इसलिए क्योंकि रेबेका संयुक्त राष्ट्र की अगली महासचिव बनने की दौड़ में अचानक सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरी हैं।

अगर वो चुनी जाती हैं तो संयुक्त राष्ट्र की पहली महिला महासचिव होंगी। वर्तमान महासचिव अंतोनियो गुटेरेस का दूसरा कार्यकाल 31 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र में लंबे समय से चली आ रही अनौपचारिक क्षेत्रीय व्यवस्था के तहत इस बार लैटिन अमेरिका से उम्मीदवार आने की उम्मीद है। ग्रिन्सपैन वर्तमान में यूएनसीएएड की महासचिव हैं। उनके माता-पिता द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड से मध्य अमेरिका पहुंचे थे। उनके नाना-नानी में से एक जोड़े की नाजी शासन के दौरान हत्या कर दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों के बीच हुए शुरुआती गोपनीय 'स्ट्रॉ पोल' में ग्रिन्सपैन को 10 समर्थन, 4 तटस्थ और केवल 1 विरोध मिला। यह उन्हें शुरुआती दौर में सबसे मजबूत स्थिति में रखता है। उनकी प्रमुख प्रतिद्वंद्वी गुयाना की पूर्व संयुक्त राष्ट्र राजदूत कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्केट रहीं, जिन्हें 9 समर्थन, 4 तटस्थ और 2 विरोधी वोट मिले। हालांकि, अंतिम तस्वीर अभी साफ नहीं है। द गार्डियन ने एक पश्चिमी राजनयिक के हवाले से बताया कि असली सवाल यह होगा कि विरोध वाले वोट किन स्थायी सदस्यों से आते हैं। यदि अमेरिका, रूस या चीन में से किसी ने किसी उम्मीदवार का विरोध किया, तो प्रक्रिया गतिरोध में फंस सकती है। ग्रिन्सपैन के चयन से एक और ऐतिहासिक पहलू जुड़ा है।

पश्चिमी कनाडा में तेजी से फैल रही जंगल की आग, 20,000 से ज्यादा लोगों को खाली करने पड़े घर

कनाडा। पश्चिमी कनाडा में जंगल की आग तेजी से फैल रही है। आग इतनी भयावह है कि यह ब्रिटिश कोलंबिया की ओकानागन झील के किनारे बसे शहरों की ओर बढ़ रही है और घरों और इमारतों को नष्ट कर रही है। इस वजह से 20,000 से ज्यादा लोगों को रात भर में अपने घर छोड़ने का आदेश दिया गया। समरलैंड की पूरी कम्युनिटी को इलाके को खाली करने का आदेश दिया गया है। यहां लगभग 12,000 लोग रहते हैं। इसके साथ ही पीचलैंड और उसके आस-पास के लगभग 8,000 लोगों को भी इलाका खाली करने का आदेश दिया गया। अधिकारियों को अब तक यह पता नहीं लग पाया है कि इस आग में कितने घरों को नुकसान पहुंचा। बाल्ड रेंज जंगल की आग की खबर सबसे पहले शुक्रवार शाम को मिली थी, लेकिन कुछ ही घंटों में यह लगभग 50 वर्ग किलोमीटर (19 वर्ग मील) तक फैल गई।

टोरंटो में भारतीय मूल की हिमांशी खुराना की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, 7 महीने से था फरार

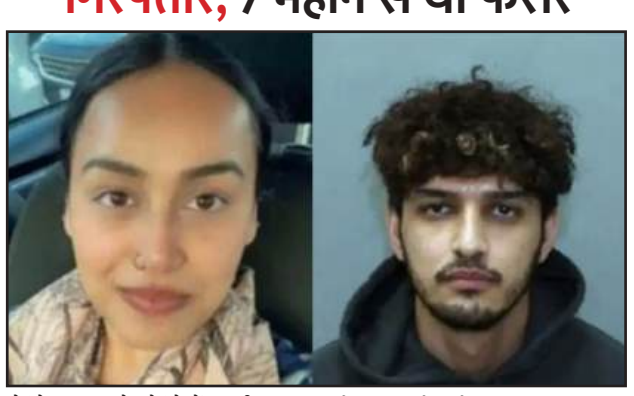

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को करीब सात महीने बाद गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अब्दुल गफूरी के रूप में हुई है, जिसे कनाडा की पुलिस 30 साल की हिमांशी खुराना की हत्या के आरोप में ढूंढ रही थी। खुराना दिसंबर 2025 में एक घर के अंदर मृत पाई गई थी। पुलिस के अनुसार, खुराना और गफूरी "इंटीमेट पार्टनर रिलेशनशिप" में थे। खुराना स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से लापता हो गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने तलाश शुरू की। 20 दिसंबर को, वह सुबह करीब 6:30 बजे मृत पाई गई। इसके बाद पुलिस ने पूरी जांच शुरू की और गफूरी की तस्वीरें और वीडियो जारी किए गए। घटना के सात महीने बाद 7 अगस्त को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और उस पर फर्स्ट डिग्री मर्डर का चार्ज लगाया गया।

टोरंटो पुलिस सर्विस ने एक बयान में कहा, "टोरंटो पुलिस फ्यूजिटिव स्क्वाड और होमिसाइड एंड मिसिंग पर्सन्स यूनिट के सदस्यों ने आरोपी की कनाडा वापसी में मदद के लिए नेशनल और इंटरनेशनल पुलिसिंग पार्टनर्स से संपर्क किया। शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026 को टोरंटो के 32 साल के अब्दुल गफूरी को ढूंढकर गिरफ्तार कर लिया गया।" वहीं टोरंटो में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने खुराना की हत्या पर दुख जताया था। कॉन्सुलेट जनरल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था, "हम टोरंटो में एक युवा भारतीय नागरिक सुश्री हिमांशी खुराना की हत्या से बहुत दुखी और सदमे में हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुला तो परमाणु समझौते से पीछे हट सकते हैं ट्रंप, लेकिन ईरान ने रखी कड़ी शर्तें

ईरान के साथ जारी सैन्य टकराव को खत्म करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब परमाणु समझौते के बजाय स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को दोबारा खोलने को प्राथमिकता दे सकते हैं।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप अपने करीबी अधिकारियों से यह संकेत दे चुके हैं कि अगर ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में समुद्री यातायात पूरी तरह बहाल कर देता है, तो अमेरिका परमाणु समझौते के बिना भी संघर्ष को समाप्त करने का रास्ता तलाश सकता है। हालांकि, ईरान ने होर्मुज़ को फिर से खोलने के लिए ऐसी शर्तें रख दी हैं, जिनसे किसी समझौते तक पहुंचना मुश्किल नजर आ रहा है। तेहरान ने अमेरिका से अरबों डॉलर के भुगतान, नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करने, अमेरिकी सैनिकों को क्षेत्र से वापस बुलाने और अन्य रियायतों की मांग की है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है। ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण यहां समुद्री यातायात प्रभावित हुआ है। इसके चलते वैश्विक तेल बाजार में भी अस्थिरता बढ़ी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हाल के हफ्तों में कई बार दावा कर चुके हैं कि होर्मुज़ पूरी तरह खुला है, लेकिन ईरान की स्थिति इससे अलग रही है। तेहरान ने अमेरिकी युद्धपोतों और उसके सहयोगियों के जहाजों के आवागमन पर आपत्ति जताई है। ईरान ने व्यावसायिक जहाजों से इस मार्ग के इस्तेमाल के बदले शुल्क लेने की बात भी कही है, जिसे अमेरिका ने खारिज कर दिया है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बाघेर ज़ोलघद्र ने होर्मुज़ को फिर से खोलने के लिए कई शर्तें गिनाईं। इनमें अमेरिका द्वारा युद्ध स्थायी रूप से समाप्त करना, नौसैनिक नाकेबंदी हटाना, अमेरिकी सैनिकों की क्षेत्र से वापसी, ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को हटाना और ईरान की जब्त संपत्तियों को जारी करना शामिल है। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में तीन महीने से भी कम समय बचा है और युद्ध शुरू होने के बाद पेट्रोल की कीमतें पहले के मुकाबले काफी ऊंची बनी हुई हैं।

रूस से भारत तक ट्रेन? रूसी उप-प्रधानमंत्री ने दिया सुझाव, पाकिस्तान से होकर गुजरेगा रूट

रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने रूस से भारत तक ट्रेन सेवा शुरू करने के विचार पर बात की। उन्होंने समाचार एजेंसी TASS को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही। मरात खुसनुलिन ने कहा कि रूस को हिंद महासागर तक सीधी रेल लाइन बनाने की संभावना पर विचार करना चाहिए, ताकि बोस्फोरस और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े ट्रांसपोर्ट के खतरों को कम किया जा सके। संभावित कॉरिडोर के बारे में विस्तार से बात करते हुए, खुसनुलिन ने कहा कि ट्रांसपोर्ट के वैकल्पिक रास्ते तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत से कनेक्टिविटी देने वाले किसी भी रास्ते को व्यावहारिक माना जाएगा। अगर यह प्रस्तावित नेटवर्क बन जाता है, तो रूस और भारत के बीच सीधे जमीनी रेल माल ढुलाई का रास्ता खुल जाएगा। TASS के अनुसार खुसनुलिन ने कहा, "हिंद महासागर तक रेल लाइन बनाने की संभावना भी तलाशी जानी चाहिए। बोस्फोरस और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े जोखिमों के कारण वैकल्पिक रास्तों की जरूरत पड़ सकती है, जैसे तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर। भारत तक पहुंच देने वाले कोई भी विकल्प स्वीकार्य हैं।" बता दें कि वैकल्पिक व्यापार मार्गों का यह प्रस्ताव अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बाद होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री गतिविधियों में बढ़ती रुकावटों के बीच आया है। 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य हमले किए गए। इन हमलों में तेहरान सहित प्रमुख शहरी केंद्रों को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में, ईरान के IRGC ने बहरीन, जॉर्डन, इराक, कतर, कुवैत, UAE और सऊदी अरब में इज़राइली ठिकानों और अमेरिकी सैन्य अड्डों के खिलाफ जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू किए। नतीजतन, तेहरान ने ईरान के खिलाफ अभियानों में शामिल अमेरिका, इजरायल और सहयोगी देशों से जुड़े जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट की समुद्री नाकेबंदी की घोषणा की। यह रणनीतिक रूप से अहम रास्ता (chokepoint) दुनिया के तेल व्यापार का लगभग 25 प्रतिशत और दुनिया भर में लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) की शिपमेंट का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा संभालता है। अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर के अलावा, खुसनुलिन ने घरेलू आर्थिक ढांचे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि रूस के निर्माण क्षेत्र को लगातार, लंबे समय तक वित्तीय सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि घरेलू निर्माण उद्योग में सालाना अतिरिक्त एक ट्रिलियन रूबल का निवेश संभालने की क्षमता है।

रूस जाने की तैयारी कर रहे FBI डायरेक्टर काश पटेल, अक्टूबर में कर सकते हैं दौरा; रिपोर्ट का दावा

'पोलिटिको' की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध को लेकर वॉशिंगटन और मॉस्को के बीच चल रहे जियोपॉलिटिकल तनाव के बीच FBI डायरेक्टर काश पटेल रूस जा सकते हैं। जानकारी के मुताबिक काश पटेल अक्टूबर के बीच में रूस की यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। FBI चीफ की इस संभावित यात्रा को 'असामान्य और संवेदनशील' बताया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि काश पटेल का रूस से जुड़ी विवादित घटनाओं में शामिल रहने का इतिहास रहा है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल से शुरू हुआ था। इनमें उन जांचों पर शक पैदा करने की कोशिशें भी शामिल हैं, जिनमें यह पता लगाया जा रहा था कि क्या ट्रंप ने 2016 में अपनी चुनावी जीत के लिए रूस के साथ मिलीभगत की थी। इसके अलावा, 'पोलिटिको' के अनुसार, ब्यूरो के प्रमुख के तौर पर काश पटेल हाई-प्रोफाइल अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कर रहे हैं, जिस पर कांग्रेस की कड़ी नजर है।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, रूस के सरकारी अखबार 'मोस्कोव्स्की कोम्सोमोलेट्स' ने कहा कि अगर FBI डायरेक्टर मदद चाहते हैं तो उन्हें कुछ ठोस प्रस्ताव साथ लाने चाहिए। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के अर्बातोव इंस्टीट्यूट फॉर US एंड कैनेडियन स्टडीज के व्लादिमीर वासिलीव ने अखबार से बातचीत में कहा, "माना जाता है कि रूस के पास डेमोक्रेट्स के बारे में कुछ ऐसी जानकारी है जो उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है, और हम इसे किसी न किसी रूप में अमेरिकी पक्ष को दे सकते हैं।" उन्होंने इस यात्रा के संभावित मकसद पर अपनी राय रखी। इस संस्था की देखरेख रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करते हैं, जो इसके बोर्ड के चेयरमैन हैं।

कोसोवो की संसद में हंगामा, केयरटेकर PM पर विपक्षी सांसद ने फेंके अंडे; रोकनी पड़ी कार्यवाही

कोसोवो की असेंबली की कार्यवाही शनिवार को विपक्ष के हंगामे के बाद रोकनी पड़ी। यहां असेंबली में कार्यवाही के दौरान विपक्षी सांसद ने सदन के अंदर कार्यवाहक प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती पर अंडे फेंक दिए। यह हंगामा तब हुआ जब कार्यवाहक प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती की पार्टी, 'वेतेवेंडोसे' (Vetevendosje) 7 जून के आम चुनाव के बाद सरकार बनाने के लिए विपक्षी समूहों के साथ समझौता करने की कोशिश कर रही थी। हालांकि 'वेतेवेंडोसे' 120 संसदीय सीटों में से 53 सीटें जीतकर सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनकर उभरी, लेकिन गठबंधन सहयोगियों के बिना सरकार चलाने के लिए जरूरी बहुमत उसके पास नहीं है। विपक्षी पार्टी 'अलायंस फॉर द फ्यूचर ऑफ कोसोवो' (AAK) की सांसद टाइम काद्रिजाज (Time Kadrijaj) पहली पंक्ति में बैठे कुर्ती के पास गईं और उनकी तरफ कई अंडे फेंके।

उन्होंने चिल्लाकर कहा, "शर्म आनी चाहिए आपको!" इसके बाद सुरक्षाकर्मी और साथी सांसद बीच-बचाव के लिए आगे आए।

इस घटना के तुरंत बाद संसद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। जब सुरक्षाकर्मियों ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री को घेर लिया, तो चेयरपर्सन ने लाइव टेलीविजन प्रसारण रोकने का आदेश दिया। बाद में काद्रिजाज ने इस घटना के वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर अपलोड किए।

इस हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए कुर्ती हमले से विचलित नहीं दिखे। उन्होंने कहा कि अगर उन पर अंडे फेंका जाना राजनीतिक बातचीत को जिंदा रखने की कीमत है, तो "मैं यह कीमत चुकाने को तैयार हूं।"

दरअसल, असेंबली की बैठक इसलिए बुलाई गई थी कि कुर्ती संसद के स्पीकर पद के लिए किसी उम्मीदवार के नाम की घोषणा करेंगे। इसके बजाय, उन्होंने नए राष्ट्रपति के चुनाव पर समझौता करने के लिए और समय मांगा।

उन्होंने माना कि राष्ट्रपति पद को लेकर चल रही बातचीत में कोई आम सहमति नहीं बन पाई है। बता दें कि पहले भी कोसोवो की संसद में इस तरह की हंगामे की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

'अगर मुस्लिम देश एक साथ खड़े हो जाएं तो...', मक्का डिफेंस एग्रीमेंट पर अराग़ची का बड़ा बयान

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराग़ची ने मुस्लिम देशों से एकजुट होने और अपनी सुरक्षा के लिए विदेशी ताकतों पर निर्भरता कम करने की अपील की है। उन्होंने ईरान की सेना की ताकत और उसकी तैयारियों की तारीफ करते हुए कहा कि अगर मुस्लिम देश साथ खड़े हों, तो बाहरी ताकतों की किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है। अराग़ची का यह बयान ऐसे समय आया है, जब सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने मक्का में एक नए त्रिपक्षीय संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सैन्य सहयोग मजबूत करने की दिशा में इस समझौते को 'मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट' नाम दिया गया है। ईरानी विदेश मंत्री ने X पर ईरान की सशस्त्र सेनाओं की क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ईरान की शक्तिशाली सशस्त्र सेनाओं ने दुनिया की सबसे महंगी सैन्य शक्ति के सामने अपनी तैयारी, क्षमता और ताकत का प्रदर्शन किया है। इसके साथ ही अराग़ची ने मुस्लिम देशों के बीच एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'जब मुस्लिम देश एक साथ खड़े होते हैं, तो हम बाहरी दुर्भावनापूर्ण ताकतों की ओर से आने वाली हर चुनौती का सीधे सामना कर सकते हैं। अब समय आ गया है कि हम केवल खुद पर भरोसा करें और सच्ची भाईचारे की भावना को अपनाएं।' अराग़ची का बयान सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हुए नए रक्षा समझौते के बाद आया है। मक्का में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बैठक के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इजरायली मीडिया के दावों के बीच मुज्तबा खामेनेई का नया वीडियो, सहयोगी से बात करते दिखे ईरान के सुप्रीम लीडर

तेहरान। जहां एक ओर ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई की हालत गंभीर होने की खबरों से हड़कंप मचा हुआ था वहीं अब उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो ईरानी मीडिया की ओर से जारी किया गया है। Mehr News Agency की ओर से जारी इस वीडियो में मुज्तबा बिल्कुल स्वस्थ दिख रहे हैं और वे अपने सहयोगियों से बातचीत करते हुए नजर आ रहे हैं। रूसी सरकारी मीडिया RT_com ने भी ईरान की Mehr न्यूज एजेंसी के हवाले से इस वीडियो को जारी किया है। इससे पहले शुक्रवार को पहले इज़रायली मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि खामेनेई की हालत "बहुत गंभीर" है। चैनल 14 ने ईरान के अंदर के सोर्स का हवाला देते हुए, और द जेरूसलम पोस्ट की एक पुरानी रिपोर्ट का हवाला देकर बताया था कि ईरान की लीडरशिप में उनकी सेहत को लेकर चिंताएं फैल रही थीं। द जेरूसलम पोस्ट के एक सोर्स ने दावा किया था, "अगर हमें जल्द ही उनकी शहादत की खबर मिले तो हमें हैरानी नहीं होगी।" खामेनेई ने 28 फरवरी को अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की अमेरिका और इजरायल के हमलों में हत्या के तुरंत बाद सुप्रीम लीडर का पद संभाला था। पद संभालने के बाद से वह किसी भी पब्लिक में नहीं दिखे हैं और सिर्फ़ लिखकर बयानों के ज़रिए ही बात की है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि वह अपने पिता के कंपाउंड को टारगेट करने वाले शुरुआती हमलों में घायल हो गए थे और शायद उनका चेहरा भी खराब हो गया था, जिससे उन्हें छिपना पड़ा और टारगेट से बचने के लिए उन्हें मीडिएटर्स के एक नेटवर्क के ज़रिए सरकार के बड़े लोगों से बात करनी पड़ी।

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो के जंगली इलाके में हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, चार लोगों की मौत

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो के एक जंगली इलाके में एक हेलीकॉप्टर के क्रैश होने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। यह क्रैश शनिवार को स्थानीय समयानुसार करीब 11:11 बजे ऑल्टो दा बोआ विस्टा के विस्टा चिनेसा इलाके में हुआ। स्थानीय फायर डिपार्टमेंट को मौके पर बुलाया गया और बाद में उन्होंने मलबे को घने पेड़-पौधों वाले इलाके में पाया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्पेशल टीमें जमीन के रास्ते क्रैश साइट पर पहुंचीं, जबकि हेलीकॉप्टर के गिरने के बाद लगी आग को बुझाने के लिए फायरफाइटिंग यूनिट्स को भी तैनात किया गया था। क्रैश में एक पायलट और तीन कोलंबियाई महिलाएं शामिल थीं, जो एक ही परिवार की सदस्य थीं। अधिकारियों ने शुरू में चार मौतों की पुष्टि की, लेकिन अभी तक पीड़ितों की जानकारी जारी नहीं की है। रियो के मेयर एडुआर्डो कैवेलियर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "तिजुका नेशनल पार्क में विस्टा चिनेसा के पास हुए हेलीकॉप्टर हादसे के पीड़ितों के परिवारों के साथ मेरी सहानुभूति है।" उन्होंने कहा कि उनका ब्राजील की नेशनल सिविल एविएशन एजेंसी एएनएसी से संपर्क हुआ है। उन्होंने लिखा, "रियो डी जनेरियो नगर निगम ने एएनएसी से अनुरोध किया है कि वे तुरंत कार्रवाई कर निगरानी बढ़ाएं और उन हेलीकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करें जो हमारे शहर में लगातार बढ़ती संख्या में चल रही हैं। हम एएनएसी को जरूरी उपायों और कार्रवाईयों में मदद के लिए रियो डी जनेरियो नगर निगम का पूरा तंत्र उपलब्ध कराते हैं।" मृतकों में अमेरिकी गायक ओलिवर ट्री और अर्जेंटीना के यूट्यूबर गैस्पर प्राइम भी शामिल थे।

खेल समाचार

"जो खेलेगा वो खिलेगा"; पीएम मोदी ने कॉमनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट से की मुलाकात

स्कॉटलैंड के ग्लासगो शहर में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीटों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था, जिसमें कुल 39 पदक जीतने में सफलता हासिल हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अगस्त को पीएम आवास पर इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाले सभी मेडलिस्ट से मुलाकात करने के साथ उनको पदक जीतने की बधाई दी और एक रील भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की जिसमें उन्होंने कहा कि जो खेलेगा वो खिलेगा। भारतीय दल ने कॉमनवेल्थ गेम्स में इस बार 13 गोल्ड मेडल, 17 सिल्वर और 9 कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल की, जिसके दम पर मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहते हुए खत्म किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने वाले एथलीटों के साथ मुलाकात के बाद जो रील सोशल मीडिया पर शेयर किया उसमें उन्होंने कहा कि जो खेलेगा, वो खिलेगा। हमेशा देश का हौसला बढ़ाएं। इसके बाद पीएम मोदी ने भारत माता की जय का नारा लगाया जिसमें उनके साथ मौजूद सभी खिलाड़ियों ने इसे दोहराया। इस रील में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने वाली महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी साक्षी चौधरी ने वीडियो को होस्ट किया और इस मुलाकात के लिए पीएम मोदी का आभार जताया। एथलेटिक्स में भारत के खाते में कुल 10 मेडल आए जिसमें गुलवीर सिंह ने दो अलग-अलग इवेंट में पदक जीते।

कुलदीप यादव ने वॉर्मअप मुकाबले के आखिरी दिन क्यों नहीं की गेंदबाजी? स्पिन गेंदबाजी कोच ने बताई इसके पीछे की वजह

भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज होने से पहले कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड पर श्रीलंका क्रिकेट इलेवन तीन दिवसीय वॉर्मअप मुकाबला खेला जिसमें 6 विकेट से जीत हासिल करने में कामयाब रही। तीसरे दिन के खेल की शुरुआत होने के साथ टीम इंडिया जब दूसरी पारी में गेंदबाजी करने उतरी तो एक भी ओवर स्टार स्पिनर कुलदीप यादव ने नहीं फेंका जिन्होंने पहली पारी में 18 ओवर्स की गेंदबाजी करते हुए 76 रन देने के साथ 2 विकेट हासिल किए थे। कुलदीप के बॉलिंग नहीं करने से उनकी फिटनेस को लेकर भी सवाल उठ रहे थे, जिसको लेकर वॉर्मअप मुकाबला खत्म होने के बाद स्पिन गेंदबाज कोच साईराज बहुतुले ने अपने बयान से साफ कर दिया कि कुलदीप की फिटनेस को लेकर कोई चिंता नहीं है। हमने उनको आराम देने का फैसला सिर्फ सावधानी के तौर पर लिया था। टीम इंडिया के स्पिन गेंदबाजी साईराज बहुतुले ने कुलदीप यादव के तीसरे दिन एक भी ओवर बॉलिंग नहीं करने के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने मैच में 18 ओवर और मैच से पहले करीब दो-तीन ओवर्स गेंदबाजी की थी। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। इसके बाद वह थोड़ा ब्रेक लेकर यह समझना चाहते थे कि उनका शरीर कैसा महसूस कर रहा है। कुलदीप कलाई के स्पिनर हैं। टीम में कलाई के स्पिनर का होना हमेशा फायदेमंद होता है क्योंकि इससे गेंदबाजी में विविधता आती है।

अश्मिता चालिहा ने जीता कोरिया मास्टर्स सुपर 300 का खिताब, फाइनल में कियान शी को हराया

आसन सिटी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा ने रविवार को बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में चीन की हान कियान शी को हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता। पहला गेम हारने के बाद, अश्मिता ने शानदार वापसी की और चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी को 53 मिनट में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। पहले गेम में 9-5 की बढ़त गंवाने के बाद, उन्होंने अगले दो गेम में बेहतर सटीकता के साथ खेल पर नियंत्रण बनाया और खिताब अपने नाम किया। दुनिया की 50वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी अश्मिता का इस साल का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना था, जहां वह साउथ कोरिया की पार्क गा यून से हार गई थीं।

सेमीफाइनल मुकाबले में अश्मिता ने अपने ही देश की खिलाड़ी रक्षिता रामराज को हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया था। गुवाहाटी की रहने वाली 26 वर्षीय खिलाड़ी का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा।

कनाडा ओपन: अलेक्जेंड्रोवा ने सबालेंका को हराकर बनाई फाइनल में जगह

टोरंटो। कनाडा ओपन से बाहर होने वाली शीर्ष 5 खिलाड़ियों में बेलारूस की टेनिस प्लेयर आर्यना सबालेंका का नाम भी जुड़ गया है। 19वीं रैंकिंग वाली रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को 7-6 (3), 4-6, 6-4 से हराया। यह मुकाबला दो घंटे 29 मिनट तक चला। इस जीत के साथ ही अलेक्जेंड्रोवा ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतिम 16 के मुकाबले में कड़ी टक्कर देखने को मिली। यह अलेक्जेंड्रोवा की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने इगा स्वियातेक (मियामी 2024) और सबालेंका (दोहा 2025) को हराया था। यह उनका छठा डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल है और दोहा 2025 के बाद पहला मौका है जब वह इस स्टेज तक पहुंचने में सफल रही हैं। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी, जिसके बाद अलेक्जेंड्रोवा ने टाई-ब्रेकर में पहला सेट जीता। सबालेंका ने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भुनाकर दूसरा सेट अपने नाम किया और मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरा सेट भी पहले सेट जैसा ही रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबले के दौरान कई बार एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। अलेक्जेंड्रोवा ने चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता को हार की कगार पर पहुंचा दिया और सबालेंका को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए 5-4 के स्कोर पर सर्विस करनी पड़ी। उन्होंने दो ब्रेक और मैच प्वाइंट तो बचाए, लेकिन तीसरे प्वाइंट पर हार गईं और सेट व मैच 7-6(3), 4-6, 6-4 से गंवा दिया। दूसरी ओर, एलिना स्वितोलिना ने अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ 6-2, 6-4 से आसान जीत हासिल की और क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। इससे पहले, शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला था जब दो बार की एनबीओ चैंपियन जेसिका पेगुला को 15वें नंबर की खिलाड़ी डायना श्नाइडर ने सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया था।

वहीं, इगा स्वियातेक शुरुआती झटके से उबरते हुए वापसी करने में सफल रहीं और मार्टा कोस्त्युक को 3-6, 6-1, 6-2 से हराया। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन पहले सेट में अपनी सर्विस बचाने में नाकाम रहीं, क्योंकि कोस्त्युक ने उनके सभी चार सर्विस गेम में उनकी सर्विस तोड़ी। स्वियातेक ने दूसरे और तीसरे सेट में वापसी की और मैच को अपने नाम कर लिया। पेगुला, सबालेंका और मीरा आंद्रीवा के बाहर होने के बाद, ड्रॉ में शीर्ष पांच वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों में से अब सिर्फ नंबर 2 खिलाड़ी एलेना रायबाकिना और नंबर 4 खिलाड़ी कोको गॉफ ही बची हैं। सबालेंका के बाहर होने के साथ ही कनाडा ओपन के शीर्ष वरीय खिलाड़ियों के बीच बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। 19वीं रैंकिंग की अलेक्जेंड्रोवा ने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ बेहद संयमित खेल दिखाया और महत्वपूर्ण मौकों पर आक्रामक रुख अपनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। दोनों ने एक-दूसरे की सर्विस तीन-तीन बार तोड़ी और मुकाबला टाई-ब्रेकर तक पहुंचा। यहां अलेक्जेंड्रोवा ने दबाव के बीच बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7-3 से टाई-ब्रेकर जीता और पहला सेट अपने नाम कर लिया। उन्होंने सेट में मिले एकमात्र ब्रेक का फायदा उठाया और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

राहुल द्रविड़ के बाद VVS लक्ष्मण क्यों नहीं बने टीम इंडिया के कोच? पूर्व बल्लेबाज ने अब खोला राज

राहुल द्रविड़ के बाद जब टीम इंडिया के नए हेड कोच की तलाश शुरू हुई थी, तब वीवीएस लक्ष्मण का नाम भी सबसे आगे चल रहा था। लक्ष्मण लंबे समय से भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए थे और कई मौकों पर अंतरिम कोच की भूमिका भी निभा चुके थे। इसके बावजूद 2024 में उन्हें स्थायी हेड कोच नहीं बनाया गया। अब पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने खुद इस फैसले के पीछे की वजह बताई है। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है। पहला मुकाबला गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों टीमों के लिए यह सीरीज काफी अहम है। इसी बीच वीवीएस लक्ष्मण ने बताया कि उन्होंने 2024 में राहुल द्रविड़ के जाने के बाद भारतीय टीम का स्थायी हेड कोच बनने का प्रस्ताव क्यों स्वीकार नहीं किया। लक्ष्मण ने बताया कि BCCI के तत्कालीन सचिव जय शाह और मौजूदा सचिव देवजीत सैकिया ने उन्हें अपने विजन के मुताबिक काम करने की पूरी आजादी दी। इसी वजह से उन्होंने हेड कोच बनने के बजाय बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस यानी CoE में अपनी भूमिका जारी रखने का फैसला किया। वीवीएस ने कहा कि उन्होंने BCCI से दो साल तक CoE में अपना कार्यकाल बढ़ाने और हेड कोच का पद नहीं संभालने की प्रतिबद्धता जताई थी। लक्ष्मण ने यह भी बताया कि 2024 में उन्हें मुख्य कोच बनने के लिए संपर्क किया गया था। लक्ष्मण के मुताबिक, उनका ध्यान CoE में एक मजबूत और विश्वस्तरीय कार्यक्रम तैयार करने पर था। उन्होंने कहा कि अपने दो साल के कार्यकाल के बाद आगे बढ़ने से पहले वह संस्थान के अलग-अलग विभागों के लिए जरूरी SOP यानी मानक संचालन प्रक्रियाएं तैयार करके जाना चाहते थे। लक्ष्मण ने कहा कि वह इस बात से खुश हैं कि उन्हें CoE में काम करने का मौका मिला और टीम के सहयोग से वहां एक विश्वस्तरीय कार्यक्रम स्थापित किया जा सका। उनके मुताबिक, BCCI ने उन्हें अपने विजन को लागू करने की स्वतंत्रता दी और मौजूदा सचिव भी लगातार उन्हें वही समर्थन दे रहे हैं। यही कारण रहा कि उन्होंने टीम इंडिया के स्थायी हेड कोच का पद लेने के बजाय CoE में अपनी जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी। भारतीय टीम अब श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उतरने की तैयारी कर रही है।

वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप में नाहिद अली ने जीते दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल

सांबा। जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी नाहिद अली चौधरी ने वर्ल्ड एस्क्रीमा काली आर्निस फेडरेशन (डब्ल्यूईकेएएफ) द्वारा आयोजित वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप के 18वें संस्करण में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। नाहिद ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और कोच को दिया है। नाहिद ने 'आईएएनएस' के साथ खास बातचीत करते हुए बताया कि उन्होंने वर्ल्ड अर्निस चैंपियनशिप में कुल तीन इवेंट में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने पहले इवेंट में फिलिपींस, अमेरिका और थाईलैंड के खिलाड़ी को मात दी। वहीं, दूसरे इवेंट में भी उन्होंने अपने प्रदर्शन को कुछ इसी अंदाज में दोहराया। नाहिद तीसरे इवेंट में भी अपने दमदार प्रदर्शन को जारी रखने में सफल रहे और उन्होंने दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज अपने नाम किया। नाहिद ने कहा कि वह अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और कोच अमन वर्मा को देना चाहते हैं, जिनकी वजह से वह इस मुकाम तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि आगे भी वह अपने इसी प्रदर्शन को बरकरार रखकर देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का पूरा प्रयास करेंगे। नाहिद ने युवाओं को संदेश देते हुए उनसे नशे से दूर रहकर खेल के प्रति आकर्षित होने की अपील भी की। नाहिद की मां निशाद बीवी ने बताया कि उन्हें अपने बेटे की सफलता पर गर्व है। उन्होंने कहा कि नाहिद ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है और उनकी शुरुआत से ही खेल के प्रति खास रुचि थी। उन्होंने बताया कि नाहिद जहां भी खेलने जाया करते थे, वहां से दो से तीन गोल्ड लेकर आते थे। निशाद बीवी ने कहा कि उन्हें खुशी है कि नाहिद के पिता देश की सेवा कर रहे हैं और बेटा देश के लिए मेडल लेकर आ रहा है। बड़े भाई हमीद चौधरी ने छोटे भाई नाहिद की सफलता पर कहा कि यह पूरे परिवार के साथ-साथ गांव के लिए भी गर्व की बात है कि नाहिद इंटरनेशनल स्तर पर मेडल जीतकर आए हैं। यह चैंपियनशिप मार्शल आर्ट से जुड़ी है। इस खेल में मुख्य रूप से लाठी (डंडों), चाकू और बिना हथियार के आत्मरक्षा व लड़ने के कौशल का प्रदर्शन किया जाता है।

शेर-ए-पंजाब T20 लीग में दिखेगा गिल और अभिषेक का जलवा

पंजाब की क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें बड़े मंच तक पहुंचाने की दिशा में एक नई शुरुआत होने जा रही है। शेर-ए-पंजाब T20 लीग के पहले सीजन का आगाज होने जा रहा है, जिसमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की मार्की प्लेयर के तौर पर एंट्री हो गई है। शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा दोनों ही IPL में अपनी बल्लेबाजी का जलवा दिखा चुके हैं। IPL 2026 में गिल ने 288 गेंदों पर 462 रन बनाए। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा ने 14 मैचों में 563 रन ठोके और उनका स्ट्राइक रेट 206 का रहा। ऐसे में पंजाब के युवा खिलाड़ियों के लिए इन दोनों सितारों के साथ खेलने का अनुभव काफी अहम साबित हो सकता है। 6 टीमों वाली इस लीग में पंजाब के कई नामी क्रिकेटर नजर आएंगे। गिल को फाजिल्का फाल्कन्स, जबकि अभिषेक शर्मा को अमृतसर सूर्माज का मार्की खिलाड़ी बनाया गया है। वहीं, अर्शदीप सिंह लुधियाना लायंस, प्रभसिमरन सिंह जालंधर वॉरियर्स, रमनदीप सिंह मोहाली किंग्स और गुरनूर बराड़ बठिंडा रॉयल्स की कमान संभालने वाले प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। ऑक्शन में अमृतसर सूर्माज ने नमन धीर को 10.80 लाख रुपये में खरीदा।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: बसंत कुमार ने हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर रचा इतिहास

यूजीन। बसंत कुमार मेघवाल ने ओरेगन के यूजीन में हो रही अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप में सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 2.21 मीटर की अपनी पर्सनल बेस्ट जंप की बराबरी की। राजस्थान के गंगानगर के रहने वाले 19 साल के बसंत, किसी भी विश्व स्तर इवेंट में हाई जंप में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। बसंत ने पहले 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की। इसके बाद 2.21 मीटर की शानदार जंप ने पोडियम पर उनकी जगह पक्की कर दी। टॉप तीन एथलीटों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की, लेकिन 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला विश्व स्तरीय मेडल भी है। इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए सरफराज खान की टीम में वापसी, जानिए कब खेला था आखिरी टेस्ट?

भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा, जब साई सुदर्शन चोट के कारण बाहर हो गए। उनकी जगह अब सरफराज खान की टीम में वापसी हुई है। 28 साल के धाकड़ बल्लेबाज करीब दो साल बाद भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा बने हैं। हालांकि, टीम में वापसी के साथ ही उनके सामने एक बड़ा सवाल भी खड़ा है कि क्या सरफराज को तुरंत प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा? सरफराज ने भारत के लिए अब तक 6 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 37.10 की औसत से 371 रन बनाए हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत शानदार अंदाज में की थी, लेकिन लगातार मौके नहीं मिलने के कारण वह टीम से बाहर होते चले गए। सरफराज ने भारत के लिए अपना आखिरी टेस्ट नवंबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में खेला था। उस सीरीज में भारत को 0-3 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में सरफराज को मौका मिला था, लेकिन वह दोनों पारियों में बड़ी पारी नहीं खेल सके। उन्होंने पहली पारी में डक और दूसरी पारी में सिर्फ एक रन बनाया। इसके बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। इसके बाद सरफराज 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत की 18 सदस्यीय टीम का हिस्सा तो थे, लेकिन 5 मैचों की सीरीज में उन्हें एक भी टेस्ट खेलने का मौका नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया ने वह सीरीज 3-1 से अपने नाम की थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद सरफराज की टीम में जगह भी चली गई और उन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। अब साई सुदर्शन की चोट ने उनके लिए एक बार फिर भारतीय टेस्ट टीम के दरवाजे खोल दिए हैं। सरफराज की वापसी सिर्फ चोट के कारण खाली हुई जगह का नतीजा नहीं है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपने बल्ले से भी सिलेक्टर्स को प्रभावित किया है।2025/26 रणजी सीजन में मुंबई के लिए सरफराज ने नौ पारियों में 429 रन बनाए।

सुबह खाली पेट एक्सरसाइज करना कितना सही? वजन घटाने के चक्कर में न करें ये गलती

आज के समय में वजन बढ़ना बहुत आम समस्या हो गई है। खराब खान-पान, घंटों बैठकर काम करना, कम चलना-फिरना और बिगड़ी हुई दिनचर्या की वजह से बड़ी संख्या में लोग अपने बढ़ते वजन को लेकर परेशान हैं। ऐसे में लोग वजन कम करने के लिए डाइट के साथ-साथ एक्सरसाइज का सहारा लेते हैं। खासकर सुबह के समय वर्कआउट करना काफी लोगों को पसंद होता है। कुछ लोग सुबह उठते ही बिना कुछ खाए जिम या पार्क पहुंच जाते हैं। उनका मानना होता है कि खाली पेट एक्सरसाइज करने से शरीर ज्यादा चर्बी कम करता है और वजन जल्दी कम होता है। लेकिन वैज्ञानिक नजरिया इस पर कुछ और है।

दरअसल, वजन कम करने के लिए पूरे दिन में आप कितनी कैलोरी लेते हैं, कितनी ऊर्जा खर्च करते हैं, आपकी डाइट कैसी है और आप कितनी नियमितता से एक्सरसाइज करते हैं – इन सभी चीजों की अहम भूमिका होती है।

इसलिए केवल खाली पेट वर्कआउट को वजन कम करने का आसान तरीका समझना सही नहीं है।

अगर आप सुबह उठकर बिना कुछ खाए एक्सरसाइज करते हैं, तो आपको जल्दी थकान महसूस हो सकती है। रात के खाने के बाद सुबह तक शरीर को कई घंटे तक खाना नहीं मिलता। ऐसे में अगर इसके तुरंत बाद आप तेज दौड़ना, भारी वजन उठाना या हैवी एक्सरसाइज शुरू कर देते हैं, तो शरीर को पर्याप्त ऊर्जा देने में समस्या हो सकती है। कुछ लोगों को खाली पेट एक्सरसाइज करते समय कमजोरी, सिर घूमने या बेचैनी जैसी परेशानी भी होती है। खासकर अगर उन्होंने पर्याप्त पानी का सेवन नहीं किया है या एक्सरसाइज बहुत ज्यादा तेज है। ऐसे समय में शरीर के संकेतों को नजरअंदाज करके वर्कआउट करते रहना ठीक नहीं है।

घुंघराले बालों की देखभाल में न करें ये गलतियां, जानिए इन्हें मुलायम और मजबूत रखने का आसान तरीका

घुंघराले बाल देखने में जितने खूबसूरत लगते हैं, उन्हें संभालना उतना ही मुश्किल हो सकता है। ऐसे बालों का आपस में उलझ जाना और नमी की कमी से रूखे-बेजान हो जाना जैसी समस्याएं लगभग हर घुंघराले बाल वाले शख्स की रोज की परेशानी हैं। घुंघराले बालों को बार-बार कंघी करना या जरूरत से ज्यादा धोना समस्या को और बढ़ा सकता है। अच्छी खबर ये है कि इसके लिए महंगे प्रोडक्ट की जरूरत नहीं है। बस कुछ आसान आदतें बदलनी हैं। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि हर व्यक्ति के बाल अलग होते हैं। इसलिए किसी एक व्यक्ति के लिए सही तरीका दूसरे के लिए भी वैसा ही हो, यह जरूरी नहीं है।

सबसे पहले बात बाल धोने की। घुंघराले बालों को हर दिन धोना जरूरी नहीं है।

कितनी बार बाल धोने चाहिए, यह सिर की त्वचा में तेल, पसीना, धूल और डैंड्रफ जैसी समस्याओं पर निर्भर करता है। अगर सिर की त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो बार-बार शैम्पू करने की जरूरत नहीं पड़ती। बहुत ज्यादा सफाई करने से बालों में मौजूद प्राकृतिक तेल कम हो सकता है और बाल रूखे महसूस होते हैं। अपने बाल और सिर की त्वचा की जरूरत के हिसाब से शैम्पू करना बेहतर है। शैम्पू लगाते समय एक और बात ध्यान रखें। इसे मुख्य रूप से सिर की त्वचा पर लगाकर सफाई करनी चाहिए।

बालों की पूरी लंबाई को जोर-जोर से रगड़ने की जरूरत नहीं होती। शैम्पू का झाग बालों की लंबाई तक पहुंचकर उसे साफ करता है।

अगर बाल धोने के बाद बहुत सूखे या उलझे हुए लगते हैं, तो हल्का शैम्पू और अच्छा कंडीशनर मददगार हो सकता है। कंडीशनर घुंघराले बालों के लिए काफी काम की चीज है। कंडीशनर बालों की सतह को चिकना बनाने में मदद करता है। इससे बाल आपस में कम उलझते हैं और कंघी करना आसान होता है। शोध के मुताबिक, कंडीशनर बालों के बीच होने वाली रगड़ को कम करता है, जिससे बालों को सुलझाते समय होने वाले नुकसान भी कम होते हैं। इसलिए शैम्पू के बाद बालों की लंबाई और सिरों पर कंडीशनर लगाना फायदेमंद हो सकता है। बालों को सुखाने का तरीका भी बहुत मायने रखता है। नहाने के बाद तौलिये से बालों को जोर से रगड़ने के बजाय हल्के हाथ से पानी सोखें। गीले बालों को खींचकर कंघी करने से भी बचना चाहिए। घुंघराले बालों में बार-बार खिंचाव और रगड़ से टूटने का खतरा बढ़ता है।

लिवर की सफाई के लिए कौन से ड्रिंक्स पिएं?

अगर आप अपने लिवर को हेल्दी रखना चाहते हैं तो अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। डबल बोर्ड-सर्टिफाइड फिजिशियन और इंटरनल मेडिसिन और गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एक्सपर्ट डॉ. जोसेफ सलहब ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किए एक वीडियो में बताया कि लिवर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी नहीं है कि हर बार आप किसी डिटॉक्स प्रोडक्ट या सप्लीमेंट का ही इस्तेमाल करें, इसकी बजाय आप इन कुछ ड्रिंक्स का भी सेवन कर सकते हैं। माचा और ग्रीन टीः माचा और ग्रीन टी में कैटेचिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में लेना हेल्दी डाइट का हिस्सा हो सकता है। यह लिवर के लिए फायदेमंद है। इनका सेवन लिवर एंजाइम को सुधारने और फैट को घटाने में मदद कर सकता है। ब्लैक कॉफीः ब्लैक कॉफी में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स लिवर के लिए फायदेमंद हैं। ये तत्व लिवर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं। यह लिवर में सूजन और फाइब्रोसिस को कम करने में मदद करता है। हालांकि, कॉफी में ज्यादा चीनी या क्रीम मिलाने से बचना बेहतर है। ब्लैक टीः ब्लैक टी में पॉलीफेनोल और अन्य एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड पाए जाते हैं। सीमित मात्रा में ब्लैक टी को संतुलित डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है। इसमें अतिरिक्त चीनी डालने से बचें। चुकंदर का जूसः चुकंदर में बीटालेंस जैसे एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड पाए जाते हैं। चुकंदर का जूस पोषक तत्वों को डाइट में शामिल करने का एक तरीका है, जूस की जगह साबुत चुकंदर लेने से फाइबर भी मिलता है। अनार का जूसः अनार पॉलीफेनोल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर फल है। इसका सेवन संतुलित डाइट के हिस्से के रूप में किया जा सकता है। बेरी स्मूदीः इन्हें बिना चीनी के दही या दूध के साथ स्मूदी बनाकर लिया जा सकता है।

सुबह जल्दी उठना क्यों है फायदेमंद? आयुर्वेद से जानिए दिन की सही शुरुआत का राज

आजकल देर रात तक जागना और सुबह देर से उठना आम बात हो गई है। लेकिन यही आदत आगे चलकर बीमारियों का कारण बन जाती है। आयुर्वेदिक परंपरा में "ब्रह्ममुहूर्ते उत्तिष्ठेत्" यानी ब्रह्ममुहूर्त में उठने की सलाह दी गई है। माना जाता है कि दिन की शुरुआत अगर सही तरीके से हो, तो उसका सकारात्मक असर शरीर और मन दोनों पर पड़ सकता है। आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि ब्रह्म मुहूर्त को आमतौर पर सूर्योदय से करीब दो घंटे पहले का समय माना जाता है। इस समय वातावरण शांत, ताजा और अपेक्षाकृत स्वच्छ होता है। रात की अच्छी नींद के बाद शरीर को जरूरी आराम मिल चुका होता है और मन भी नई ऊर्जा के साथ दिन की शुरुआत के लिए तैयार रहता है।

सुबह का शांत माहौल ध्यान, योग, प्राणायाम और आत्मचिंतन जैसे कामों के लिए अनुकूल माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, सुबह जल्दी उठने की नियमित आदत मन को अधिक सजग, केंद्रित और शांत रखने में मदद कर सकती है। जब दिन की शुरुआत बिना जल्दबाजी के होती है, तो व्यक्ति अपने जरूरी कामों की बेहतर योजना बना सकता है। सुबह कुछ समय अपने लिए निकालने से सकारात्मक सोच विकसित करने और मानसिक शांति महसूस करने में भी मदद मिल सकती है।

सुबह की ताजी हवा में टहलना, हल्का व्यायाम, योग और प्राणायाम करना भी अच्छा माना जाता है। इससे शरीर सक्रिय महसूस करता है और दिनभर की शुरुआत ऊर्जावान तरीके से हो सकती है।

हालांकि, सिर्फ जल्दी उठना ही काफी नहीं है। इसके लिए रात में समय पर सोना और पर्याप्त नींद लेना भी उतना ही जरूरी है। नींद पूरी किए बिना जबरदस्ती बहुत जल्दी उठना थकान का कारण बन सकता है।

आयुर्वेद में हर व्यक्ति की शारीरिक स्थिति और स्वास्थ्य को भी महत्व दिया गया है। इसलिए यदि किसी को बीमारी, कमजोरी, नींद की समस्या या अपच जैसी कोई परेशानी है, तो अपनी दिनचर्या में बड़ा बदलाव करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होता है। सुबह उठने के बाद कुछ समय शांत वातावरण में बिताना मानसिक रूप से अच्छा अनुभव हो सकता है। ध्यान, प्राणायाम, योग या हल्की शारीरिक गतिविधि को दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है।

यूरिक एसिड में चावल का पानी पीने से क्या फायदा होता है, आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया इसे कब और कैसे पीना चाहिए

अगर आपको चलने फिरने में एडी में दर्द रहता है। उंगलियों के जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है। टखनो और घुटनों में दर्द होने लगता है। सूजन आ जाती है और त्वचा लाल हो जाती है तो ये यूरिक एसिड बढ़ने के लक्षण हो सकते हैं। खराब लाइफस्टाइल और खान-पान में की जाने वाली लापरवाही से यूरिक एसिड बढ़ने लगता है। ऐसे में आप कुछ आयुर्वेदिक उपाय करके बढ़े हुए यूरिक एसिड को कम कर सकते हैं। हाई यूरिक एसिड लेवल को लेकर चावल का पानी दो तरह से काम करता है। सबसे पहले इसके रेचक गुण शरीर में जमा प्यूरीन को साफ करने में मदद करते हैं। इसके अलावा चावल का पानी शरीर की चयापचय दर को बढ़ाता है और प्रोटीन चयापचय को तेज करता है। ऐसा करने से यह प्यूरीन को कम स्टोर करता है और हाई यूरिक एसिड से संबंधित समस्याओं को कम करने में मदद करता है। इतना ही नहीं चावल का पानी शरीर में जमा प्यूरीन क्रिस्टल को घोलने में मदद करता है, जिससे गठिया की रोकथाम में मदद मिलती है। आयुर्वेदिक विशेषज्ञ, डॉक्टर चंचल शर्मा (आशा आयुर्वेद क्लीनिक) की मानें तो चावल का पानी न सिर्फ़ यूरिक एसिड की समस्याओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाता है और शरीर को अंदर से डिटॉक्स करने में भी मदद करता है। इसके अलावा, चावल का पानी पीने से न सिर्फ यूरिक एसिड की समस्याओं में मदद मिलती है, बल्कि त्वचा और पाचन से जुड़ी कई तरह की समस्याओं को ठीक करना भी आसान हो जाता है। इससे गाउट, जोड़ों में दर्द और सूजन जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

गट हेल्थ को चुपचाप नुकसान पहुंचा रही हैं आपकी ये आदतें, डॉक्टर सौरभ सेठी ने किया सावधान

अच्छी गट हेल्थ का मतलब है आपके शरीर का हेल्दी होना, यानी हमारी गट का सीधा संबंध हमारे पूरे शरीर के स्वस्थ होने से है।

लेकिन, कुछ ऐसी आदतें होती हैं जो धीरे धीरे आपके गट हेल्थ को नुकसान पहुंचा रही हैं और आपको इस बात की जानकारी भी नहीं होती।

AIIMS, हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से ट्रेनिंग लेने वाले कैलिफ़ोर्निया के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी के अनुसार, कुछ आदतें चुपचाप गट को नुकसान पहुंचा रही हैं, जिसके बारे में लोगों को अक्सर तब तक पता नहीं चलता जब तक बहुत देर नहीं हो जाती। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में उन्होंने कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताया, जिन्हें गट को हेल्दी रखने के लिए करने से बचना चाहिए।

फ़ोन चलाते हुए खानाः अगर आप फ़ोन चलाते हुए खाना खा रहे हैं तो ऐसा करना बंद कर दें। दरअसल, फ़ोन चलाते हुए खाने से आपका दिमाग कभी यह महसूस नहीं कर पाता कि पेट भर गया है। इस वजह से आप हर बार 30% ज्यादा खाना खा लेते हैं।

इंटरमिटेंट फास्टिंगः बिना सोचे-समझे इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से बचना चाहिए। दरअसल, सुबह का नाश्ता छोड़ने से कोर्टिसोल लेवल बढ़ जाता है और दोपहर तक गट की मोबिलिटी खत्म हो जाती है। यह फास्टिंग नहीं है, यह स्ट्रेस है। इससे आपका गट हेल्थ खराब हो सकता है।

हर खाने के बाद कुछ मीठा खानाः अगर आप खाना खाने के बाद तुरंत कुछ मीठा खाते हैं तो इससे पेट के बुरे बैक्टीरिया को ताकत मिलती है।

ताकत, बैलेंस और फ्लेक्सिबिलिटी जांचने के लिए घर पर करें ये आसान टेस्ट

फिटनेस का मतलब सिर्फ़ फ़्लैट टमी ज्यादा वजन उठाने या तेज दौड़ने की क्षमता नहीं है। शरीर में बेहतर बैलेंस और लचीलापन बनाए रखना भी फिटनेस का एक जरूरी पार्ट है। फिटनेस कोच वान्या मूव्स ने 8 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कई वर्कआउट टेस्ट शेयर किया है, जिनकी मदद से आप अपनी फिजिकल फिटनेस के साथ शरीर का लचीलापन भी जांच सकते हैं। अगर आप इन टेस्ट को आसानी से कर लेते हैं, तो यह आपकी अच्छी मोबिलिटी और फ्लेक्सिबिलिटी का संकेत हो सकता है। अच्छी बात यह है कि आप इन स्ट्रेचिंग वर्कऑउट्स को आसानी से घर पर ही कर सकते हैं। डीप स्क्वाट होल्डः 'डीप स्क्वाट होल्ड' टेस्ट से शरीर के निचले हिस्से की मोबिलिटी का पता लगाया जा सकता है। पैरों को कूल्हे की चौड़ाई के बराबर रखें। एड़ियों को जमीन पर सपाट रखें। बिना किसी सहारे के 60 सेकंड तक इसी स्थिति में बने रहें। अगर आपकी एड़ियाँ ऊपर उठती हैं या आपको सहारे की जरूरत पड़ती है, तो आपको ध्यान देना चाहिए। इस मूवमेंट के लिए टखनों, घुटनों और कूल्हों में अच्छी मोबिलिटी के साथ-साथ शरीर के निचले हिस्से में मजबूती और स्थिरता की भी जरूरत होती है। सिंगल लेग बैलेंसः आपको अपने टखने की स्थिरता पर काम करने की जरूरत है।

गुस्से के कारण हो सकते हैं बीमारियों के शिकार

एक पल का गुस्सा, जिंदगी भर का पछतावा बन सकता है। ऐसे न जाने कितने कोट्स (quotes) हैं जो बताते हैं कि गुस्सा आपका सुकून और सेहत दोनों छीन लेता है। फिर भी किसी को ये बात समझ नहीं आती गुस्सा आता है तो लोग आपा खो देते हैं और नुकसान कर बैठते हैं।

गुस्से में लोग पागलपन की हदें पार कर जाते हैं, कोई मामूली झगड़े में बंदूक से दनादन फायर कर देता है तो कहीं रेस्टोरेंट के बाहर गोलियां बरस जाती हैं और फिर इस एक पल के पागलपन की सजा उन्हें जिंदगी भर भुगतनी पड़ती है। लोग गुस्सा करके खुद को ही सज़ा देते हैं, उन्हें पता तक नहीं कि ताव में आना उनकी हेल्थ के लिए कितना खतरनाक है। लगातार रहने वाला एंगर सबसे पहले आपको हाई बीपी का मरीज़ बनाता है। इस खतरनाक बला से पाचन तंत्र खराब होता है, धड़कन तेज़ रहती है, डिप्रेशन हावी होने लगता है और इम्यून सिस्टम भी कमज़ोर पड़ जाता है। बड़े तो बड़े आजकल बच्चों में भी एंगर लेवल काफी हाई रहता है। बच्चे बड़ों से ही सीखते हैं तो जैसा वो देखते हैं वैसा एडॉप्ट कर लेते हैं। लोगों में बढ़ते एंगर की एक वजह जिंदगी में भरा तनाव भी है। आइए स्वामी रामदेव से जानें कि एंगर यानी गुस्सा पर कैसे कंट्रोल पाया जा सकता है।

बॉडी स्ट्रॉन्ग बनाने में असरदार है ये छोटा सा दिखने वाला मेवा

चिरौंजी के दाने दिखने में दाल के जैसे छोटे होते हैं लेकिन इसके साइज पर आप न जाइएगा। छोटा सा दिखने वाला ये मेवा सेहत को ऐसे फायदे देता है कि जिनके बारे में जानने के बाद आप चिरौंजी का सेवन शुरू कर देंगे। प्रोटीन, विटामिन सी, बी और अमीनो एसिड जैसे पोषक तत्वों से भरपूर चिरौंजी के बीजों को खाने से शरीर को ताकत मिलती है और इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है। शारीरिक रूप से कमजोर लोगों के लिए चिरौंजी का सेवन फायदेमंद साबित होता है। अगर आप कम मेहनत के बाद जल्दी ही थक जाते हैं तो दूध की खीर में चिरौंजी डालकर सेवन करें। चिरौंजी खाने से आपके शरीर को ताकत और पोषण मिलेगा। भारत में डायबिटीज की बीमारी तेजी से पैर पसार रही है, इस बीमारी की चपेट में हर आयु वर्ग के लोग हैं। चिरौंजी खाने से आपके शरीर का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रह सकता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए। बदलते मौसम में अगर इम्यूनिटी कमजोर है तो बीमारियां होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। ऐसे में अगर आप चिरौंजी का सेवन करते हैं तो इसमें मौजूद पोषक तत्वों से आपके शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट होती है और आप सर्दी-जुकाम, वायरल जैसी बीमारियों से बच सकते हैं।

क्या गर्म पानी पीने से यूरिक एसिड बढ़ता है? जानें और शरीर में बढ़ते इसके लेवल को करें कंट्रोल

यूरिक एसिड में गर्म पानी पीनाः जब आप ज्यादा प्रोटीन से भरपूर फूड्स खाते हैं और शरीर इस प्रोटीन का सही से मेटाबोलिज्म नहीं कर पाता है तो, प्रोटीन से निकलने वाला वेस्ट प्रोडक्ट यानी प्यूरिन बढ़ता जाता है जिससे यूरिक एसिड लेवल बढ़ता है। इसके बाद प्यूरिन की छोटी-छोटी पथरियां आपकी हड्डियों में जमा होने लगती हैं और फिर यही हड्डियों से जुड़ी गाउट की समस्या और किडनी में पथरी का कारण बनता है। ऐसी स्थिति में डाइट में कुछ चीजों का ख्याल रखना जरूरी हो जाता है, जैसे कि गर्म पानी। PubMed में छपी इस शोध की मानें तो, जब हम गर्म पानी पीते हैं तो यूरेट क्रिस्टल गर्म होने पर घुल जाते हैं। इससे होता ये है कि गर्म पानी, आपके शरीर में जमा प्यूरिन और इनकी पथरियों को पिघलाने लगता है और इन्हें हड्डियों की दीवारों पर चिपकने से रोकता है। इससे होता ये है कि जोड़ को चारों ओर यूरेट क्रिस्टल्स कम हो जाती हैं और बाकी धीमे-धीमे शरीर से फ्लश ऑउट होने लगते हैं और यूरिक एसिड कम होने लगता है। यूरिक एसिड जब भी बढ़ता है तो इससे हड्डियों में एक गैप की स्थिति आती है और फिर तेज दर्द होता है। इसके अलावा जोड़ों में एक प्रकार का खिंचाव रहता है और ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित रहता है। ऐसी स्थिति में गर्म पानी पीना इस गैप को कम करने और ब्लड सर्कुलेशन सही करने में मदद करता है। इसके अलावा ये सूजन में भी कमी लाता है और हाई यूरिक एसिड की समस्या से बचाव में मदद करता है। आपके शरीर में प्यूरिन डिटॉक्सीफाई करना बेहद जरूरी है। दरअसल, खून में जमा गंदगी को समस-समय से डिटॉक्सीफाई करते रहना आपको कई बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है और जब आप गर्म पानी पीते हैं तो यही होता है।

गर्म पानी न सिर्फ प्यूरिन को जमने से रोकता है बल्कि, ये शरीर में प्यूरिन पचाने की गति को भी तेज करता है। तो, इन तमाम कारणों से आपको रोजाना सुबह खाली पेट गर्म पानी पीना चाहिए। इससे न सिर्फ बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी बल्कि, कई समस्याओं से भी बचाव होगा।

यूरिक एसिड बढ़ने की समस्या में खान-पान और जीवनशैली का विशेष महत्व होता है। जब शरीर प्यूरिन नामक पदार्थ को तोड़ता है, तो यूरिक एसिड बनता है। सामान्य स्थिति में यह यूरिक एसिड मुख्य रूप से गुर्दों के माध्यम से शरीर से बाहर निकल जाता है। लेकिन जब शरीर में इसका निर्माण अधिक होने लगे या गुर्दे इसे पर्याप्त मात्रा में बाहर न निकाल पाएं, तो खून में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है। लंबे समय तक यूरिक एसिड बढ़ा रहने पर इसके क्रिस्टल जोड़ों के आसपास जमा हो सकते हैं। यही क्रिस्टल गाउट के दौरान अचानक होने वाले तेज दर्द, सूजन, लालिमा और जोड़ों में गर्माहट का कारण बन सकते हैं।

16 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-UP समेत इन जगहों पर जमकर बरसेंगे बादल

देश में पहाड़ से लेकर मैदान तक मानसून फुल रफ्तार में है। देश की सभी बड़ी नदियां उफान मार रही हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा से लेकर चिनाब तक अपने किनारे रहने वाले लोगों को डरा रही हैं तो आज भी देश के 16 राज्यों में जोरदार बारिश का अलर्ट है। यूपी, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र और केरल में आज मौसम खराब रहने की संभावना जताई गई है।

राजधानी दिल्ली पर बारिश के बाद अब बाढ़ का खतरा है। हालांकि हथनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद दिल्ली में यमुना का जलस्तर अब घटने लगा है। यमुना के बढ़ते जलस्तर पर नजर रखने के लिए फ्लड एंड एरिगेशन डिपार्टमेंट अलर्ट मोड में है। वहीं, राजधानी में आंधी-बारिश की चेतावनी है।

बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से गंगा, यमुना, शारदा और सरयू समेत 10 से ज्यादा नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं।

क्षेत्र में कांग्रेस ने भरी चुनावी हुंकार, AICC सचिव चिरंजीव राव बोले—भाजपा का सूपड़ा साफ करने तैयार रहें कार्यकर्ता

मनोहरपुर/जयपुर। (अशोक कुमार गुर्जर)

आगामी पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। स्थानीय विधायक मनीष यादव के नेतृत्व में मनोहरपुर कस्बे के निजी गार्डन में पंचायतीराज एवम् निकाय चुनाव को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में एआईसीसी सह प्रभारी चिरंजीव राव, पीसीसी महासचिव एवं जिला प्रभारी आर.सी. चौधरी तथा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोपाल मीणा मौजूद रहे। बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शाहपुरा ए और बी, विभिन्न नगर कांग्रेस कमेटियों तथा मंडल कार्यकारिणियों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान आगामी पंचायतीराज एवम् निकाय चुनावों को लेकर संगठन की जमीनी स्थिति, बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क अभियान को लेकर मंथन किया गया। एआईसीसी सह प्रभारी चिरंजीवी राव ने कहा कि चुनावी सफलता का रास्ता मजबूत संगठन से होकर जाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर मजबूत टीम तैयार कर मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करना कांग्रेस की प्राथमिकता होनी चाहिए। चिरंजीव राव ने कहा कि भाजपा पार्टी कैंसर की बीमारी तरह है जिसका इलाज इसी चुनाव में करना है। स्थानीय विधायक मनीष यादव ने कहा कि आगामी पंचायतीराज एवं निकाय चुनाव कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर मजबूत टीम तैयार करने, घर-घर जनसंपर्क बढ़ाने और आमजन तक कांग्रेस की नीतियों एवं कार्यक्रमों को पहुंचाने का आह्वान किया। यादव ने कहा कि चुनाव में संगठन की सक्रियता और कार्यकर्ताओं की मेहनत निर्णायक भूमिका निभाएगी। विधायक ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता और जनता के समर्थन के दम पर आगामी चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ होगा। पीसीसी महासचिव एवं जिला प्रभारी आर.सी. चौधरी ने कहा कि आगामी चुनावों को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क बनाए रखने और स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन ही चुनाव में कांग्रेस को मजबूती देगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय करने तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को चुनावी जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुट मेहनत और सक्रियता के बल पर कांग्रेस आगामी पंचायतीराज एवं निकाय चुनाव में मजबूती से मुकाबला करेगी। पीसीसी सचिव प्रद्युम्न सिंह ने आगामी पंचायतीराज एवं निकाय चुनाव में कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेद भुलाकर पूरी एकजुटता के साथ मैदान में उतरकर कांग्रेस को चुनाव में मजबूती दिलाने का आह्वान किया।

बेंगलुरू के कई नामी रेस्टोरेंट और होटल में फूड सेफ्टी विभाग ने जांची गुणवत्ता

बेंगलुरू के कई नामी रेस्टोरेंट और होटल में फूड सेफ्टी विभाग ने गुणवत्ता जांच की है, जिसमें चौंकाने वाली चीजें भी मिली हैं। जिन होटलों और रेस्टोरेंट्स में ये गुणवत्ता जांच की गई है, उनकी लिस्ट सामने आई है और ये भी पता लगा है कि इन जगहों से क्या बरामद हुआ है।

1- होटल स्काई, UB सिटी
सड़ा हुआ चिकन/बीफ – 45 किलो
वेजिटेबल कटलेट – 6 किलो
इस्तेमाल किया हुआ कुकिंग ऑयल – 15 लीटर
कुल खाद्य सामग्रीः 51 किलो

2- रॉयल चेन होटल
बत्तख (Duck) – 50 किलो
मछली – 5 किलो
कुल जब्तः 55 किलो

3- मद्रास किचन
हरी मटर – 5 किलो

4- टेस्कॉन होटल
मशरूम – 5 किलो

5- सेंचेज होटल
मछली – 3 किलो – जब्त की गई
केक, आलू और टैकोस – 7 किलो – फेंक दिया गया
कुल जब्ती/निपटान
कुल जब्त/निपटाई गई खाद्य सामग्रीः 132 किलो
इस्तेमाल किया हुआ कुकिंग ऑयलः 15 लीटर
खाद्य सामग्री की कुल मात्राः 132 किलो को नष्ट कर दिया गया और फेंक दिया गया, UB सिटी में मौजूद स्काई किचन में बड़ी अनियमिता पाई गई, जिसके चलते अगले आदेश तक इस रेस्टोरेंट को बंद कर दिया गया है।

हाल ही में बेंगलुरू में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के फूड सेफ्टी विंग ने 26 लग्जरी थ्री स्टार और फाइव में विशेष जांच अभियान चलाया था। इस दौरान एक्सपायर्ड मीट और फफूंद लगी सब्जियां जब्त की गई थीं। मतलब साफ है कि बेंगलुरू के कुछ नामी थ्री स्टार और फाइव स्टार होटलों में खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गंभीर लापरवाही की जा रही है। इसका असर फूड कंज्यूम करने वाले ग्राहकों की सेहत पर पड़ रहा है, जो उन्हें बीमार बना रहा है। ऐसे में ग्राहकों को अलर्ट मोड अपनाकर ही खाने के लिए रेस्टोरेंट या होटल का चयन करना चाहिए।

घूमना-टहलना खूब पसंद करते हैं भारतीय, एडजस्ट करने को लेकर भी रहते हैं तैयार; ट्रैवल हैप्पीनेस इंडेक्स रिपोर्ट में खुलासा

भारत के लगभग 96 फीसदी यात्री किसी भी परेशानी या परिवर्तन की स्थिति में अपना सफर रद्द करने के बजाय उसमें बदलाव करने के लिए तैयार हो जाते हैं, जो यात्रा के लिए उनके मजबूत और लचीले रवैये को दिखाता है। बता दें कि ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसी बुकिंग डॉट कॉम की एक नई रिपोर्ट में यह इंटरेस्टिंग आंकड़े सामने आए हैं। 10 एशिया-प्रशांत देशों के 10 हजार से ज्यादा यात्रियों पर किए गए सर्वे पर बेस्ड पहली 'ट्रैवल हैप्पीनेस इंडेक्स' रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीयों के लिए सफर अब भी खुशी और बेहतर जिंदगी का एक बड़ा जरिया है।

Travel Happiness Index रिपोर्ट में कहा गया, '96 फीसदी लोगों ने कहा कि जब सफर में कोई परेशानी आएगी तो वे यात्रा को रद्द करने की जगह अपने प्लान में बदलाव करना पसंद करेंगे।' रिपोर्ट के मुताबिक, जो लोग अपनी प्लान में बदलाव करना चाहेंगे, उनमें से 28 फीसदी लोग किसी दूसरी जगह पर जाने का ऑप्शन चुनेंगे, 19 प्रतिशत अपने सफर को आगे के लिए टाल देंगे और अन्य 19 फीसदी लोग यात्रा की टाइमिंग या अवधि को बदल देंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 99 फीसदी भारतीय यात्री, यात्रा को सकारात्मक भावनाओं से जोड़ते हैं, जबकि 90 फीसदी लोगों का मानना है कि आने वाली यात्रा की उम्मीद ही उनका मूड बेहतर कर देती है।

चर्च में ही भिड़ गए पादरियों के दो गुट, आर्थोडॉक्स और जाकोबाइट धड़ों ने एक-दूसरे पर बोला हमला

केरल के मुवाट्टुपुषा में आज (रविवार को) एक चर्च के स्वामित्व को लेकर जाकोबाइट सीरियन और मलंकारा आर्थोडॉक्स गुटों के पादरियों के बीच झड़प हो गई, जिसमें बाद में पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। बता दें कि यह घटना सुबह मुवाट्टुपुषा के पास पीरामाडोम के सेंट जॉन्स बेथलहम चर्च में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यह चर्च मलंकारा आर्थोडॉक्स और जाकोबाइट सीरियन गुटों के बीच स्वामित्व के लिए लंबे वक्त से चल रहे विवाद का केंद्र रहा है। अभी इस चर्च पर जाकोबाइट गुट का कंट्रोल है। पुलिस ने कहा कि आर्थोडॉक्स गुट के कुछ पादरी मुवाट्टुपुषा उप-अदालत के उस निर्णय का हवाला देते हुए आज चर्च पहुंचे थे, जिसमें कथित रूप से स्वामित्व के विवाद में उनके पक्ष में निर्णय सुनाया गया था। हालांकि, चर्च में पहले से मौजूद जाकोबाइट गुट के पादरी और समुदाय के लोगों ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि मुफस्सिल कोर्ट ने कथित रूप से उनके पक्ष में निर्णय दिया है। पुलिस ने बताया कि दोनों गुटों के पादरियों के बीच पहले कहासुनी हुई और बाद में वह धक्का-मुक्की में बदल गई।

खबर मिलने के तुरंत बाद केरल पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और लोगों को शांत करने की कोशिश की।

हालांकि, बाद में जब दोनों में से कोई भी पक्ष पीछे हटने को रेडी नहीं हुआ तो चर्च को पुलिस ने बंद कर दिया। पुलिस ने बताया कि जिला प्रशासन ने अब मामले में हस्तक्षेप किया है और पादरियों के दोनों गुटों के प्रतिनिधियों को सोमवार की शाम को चर्चा के लिए आमंत्रित किया है। पुलिस ने कहा कि दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाया है कि इस झड़प में उनके पादरी जख्मी हुए हैं, लेकिन शिकायतें मिलने के बाद केस दर्ज किए जाएंगे।

जाकोबाइट और आर्थोडॉक्स गुटों के बीच विवाद कई साल से चल रहा है। दोनों गुटों की संपत्तियों और चर्च के कंट्रोल को लेकर कोर्ट के कई फैसले आ चुके हैं। इससे पहले, पिछले साल मार्च महीने में केरल में कोल्लम के एक चर्च के परिसर में सूटकेस में कंकाल मिलने का मामला सामने आया था। यह बैग कब्रिस्तान के पास मिला था। इसके बाद चर्च में पहले से मौजूद जाकोबाइट गुट के पादरियों और समुदाय के लोगों ने इसका विरोध किया।

कांवड़िया लेन में घुसी पुलिस की गाड़ी, आराम कर रहे कांवड़िये को रौंदा, मेडिकल कैंप में हुआ इलाज

बिहार के मुजफ्फरपुर में डायल-112 की गाड़ी कांवड़िया लेन में घुस गई और एक कांवड़िये के पैर में चढ़ गई। घटना तुर्की थाना क्षेत्र के तुर्की ओवरब्रिज के पास हुई। सड़क किनारे आराम कर रहे कांवड़िये के पैर पर वाहन का पहिया चढ़ गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद कांवड़ियों में अफरा-तफरी मच गई। घायल व्यक्ति की पहचान जाफरपुर निवासी नंदेश्वर पासवान के रूप में हुई है। हादसे के बाद साथीयों ने तत्काल उन्हें पास के सिविल मेडिकल कैंप पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। घटना में फिलहाल एक ही व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। बताया गया कि नंदेश्वर पासवान करीब 20 सदस्यीय कांवड़ियों के जत्थे के साथ पहलेजा से जल लेकर बाबा गरीबनाथ धाम जा रहे थे। शनिवार रात तुर्की ओवरब्रिज के पास जत्था कुछ देर आराम करने के लिए रुका था। इसी दौरान डायल-112 की गाड़ी कांवड़िया लेन में पहुंच गई। कांवड़ियों के अनुसार, वाहन का पहिया नंदेश्वर पासवान के पैर पर चढ़ गया और गाड़ी आगे निकल गई। अचानक हुए हादसे के बाद साथी कांवड़िया ने घायल को संभाला और इलाज के लिए मेडिकल कैंप पहुंचाया। कांवड़िया रूट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए हैं। ऐसे में कांवड़िया लेन में डायल-112 वाहन के प्रवेश को लेकर सवाल उठ रहे हैं। घटना ने कांवड़िया रूट पर वाहनों की आवाजाही और ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में बच्चों और युवाओं के यौन शोषण की खबर, अश्लील सामग्री बरामद, एक शख्स हिरासत में लिया गया

महाराष्ट्र के नंदुरबार में बच्चों और युवाओं के यौन शोषण के आरोप में एक शख्स को हिरासत में लिया गया है।

नंदुरबार। महाराष्ट्र के नंदुरबार से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बच्चों और युवाओं के यौन शोषण की खबर है। इस मामले के सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। जांच में मोबाइल से अश्लील वीडियो और तस्वीरें भी बरामद हुई हैं। नंदुरबार शहर में बच्चों और युवाओं के कथित यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने चेतन कोली नाम के एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है और उसका मोबाइल भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने जानकारी दी है कि जांच के दौरान उसके मोबाइल में कई अश्लील वीडियो और तस्वीरें बरामद हुई हैं। आरोप है कि संदिग्ध अश्लील वीडियो बनाकर, उनके आधार पर पीड़ितों को ब्लैकमेल करता था और उनका बार-बार यौन उत्पीड़न करता था। प्रारंभिक जांच में यह अंदेशा जताया गया है कि यह घिनौना सिलसिला साल 2022 से 6 अगस्त 2026 के बीच चल रहा था। संदिग्ध द्वारा बच्चों और युवाओं को ब्लैकमेल किए जाने की गुप्त सूचना मिलने के बाद, पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन कर उस पर कड़ी नजर रखी थी। इसी के आधार पर, शहर के भोणे फाटा इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में देखे जाने के बाद पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। जिला पुलिस अधीक्षक अश्विनी सानप ने बताया है कि इस मामले में और कितने बच्चे व युवा, पीड़ित हैं, इसकी पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है। इससे पहले फर्जी इंस्टा ID-ऑनलाइन गेम के जरिए नाबालिग युवती को फंसाकर यौन शोषण का मामला सामने आया था। मंजर देखकर पुलिस भी हैरान हो गई थी। ये मामला महाराष्ट्र के नागपुर में सामने आया था। पुलिस ने बंद कमरे का दरवाजा तोड़कर पीड़िता को सुरक्षित बाहर निकाला था और आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया था। गौरतलब है कि यौन शोषण के मामले अक्सर देश के किसी न किसी कोने से सामने आते रहते हैं। तमाम कानूनों और कार्रवाईयों के बावजूद ऐसे मामलों पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। इस दिशा में सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध के खिलाफ बच्चों और युवाओं को कथित तौर पर अश्लील सामग्री के माध्यम से ब्लैकमेल करने और उनका यौन शोषण करने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम गठित की और संदिग्ध की गतिविधियों पर नजर रखी। इसी दौरान उसे शहर के भोणे फाटा क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया, जिसके बाद पुलिस टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने संदिग्ध का मोबाइल फोन भी जब्त किया है। प्रारंभिक जांच में मोबाइल से कई आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें मिलने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब इन सामग्री की जांच के साथ यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वे किससे संबंधित हैं और इन्हें किस उद्देश्य से तैयार या सुरक्षित रखा गया था।

JNU ने उमर खालिद की किताब पर चर्चा का कार्यक्रम किया रद्द, ऑडिटोरियम की बुकिंग कैंसिल

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) प्रशासन ने उमर खालिद की किताब 'फ्रैक्चर्ड कम्युनिटीज' (Fractured Communities) पर चर्चा के लिए एसडब्ल्यूएस-1 (SSS-1) ऑडिटोरियम की बुकिंग रद्द कर दी है। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को आयोजित होना था। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे के बीच प्रस्तावित था, जिसे जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी छात्र संघ (JNUSU) द्वारा आदिवासी दिवस (Tribal Day) के मौके पर एक सार्वजनिक चर्चा के रूप में आयोजित किया जाना था।

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, यह बुकिंग इसलिए रद्द की गई, क्योंकि ऑडिटोरियम के लिए जमा किए गए आवेदन फॉर्म में प्रस्तावित कार्यक्रम के पूर्ण विवरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

प्रशासन का पक्ष है कि परिसर के भीतर ऑडिटोरियम और अन्य स्थानों के उपयोग में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

यह रद्दीकरण पत्र संयुक्त रजिस्ट्रार की ओर से जारी किया गया था और इसे स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (SSS) के डीन द्वारा अनुमोदित किया गया था। जेएनयू ने संबंधित सभी पक्षों से इस रद्दीकरण का संज्ञान लेने का आग्रह किया है।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक गजेंद्र सिंह राठौड़ के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व प्लॉट नंबर - 12 सी, श्री राम नगर विस्तार, स्कीम 12सी, झोटवाड़ा, जयपुर, राजस्थान - 331403 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. - RJBIL/26/A5611 प्रबंध सम्पादक - गजेंद्र सिंह राठौड़, मो. 9461119998, E-mail: info@zoomnews.in